@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

हरियाणा वाटिका

लोहारू से प्रकाशित सोच बिल्कुल निष्पक्ष

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक: 189 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 1.00 गुरूवार, 15 मई 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

प्रेरणास्त्रोतः स्व. डॉ. एलसी वालिया

38वें राष्ट्रीय खेलों में प्रदेश के पदक विजेता खिलाड़ियों को किया जाएगा सम्मानित

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा खेल विभाग द्वारा 21 मई को रोहतक में राज्य स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें उत्तराखंड में हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में प्रदेश के स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। इन खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने पदक जीतने के साथ-साथ देश और प्रदेश का दिल भी जीता है।

153 पदकों के साथ प्रदेश ने हासिल किया तीसरा स्थान

खेल राज्य मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में 28 जनवरी से 14 फरवरी तक आयोजित हुए राष्ट्रीय खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों ने 153 पदक जीते, जिसमें 48 स्वर्ण, 47 रजत और 58 कांस्य पदक शामिल हैं। पदक तालिका में हरियाणा ने तीसरा स्थान हासिल किया। इन खेलों में हरियाणा के कुल 689 खिलाड़ियों और लगभग 200 स्पोर्ट स्टाफ ने भाग लिया था।

गौरव गौतम ने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ी ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, एशियन गेम्स व कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतकर विश्व भर में अपनी प्रतिभा का डंका बजा रहे हैं। खिलाड़ियों को इस मुकाम तक पहुंचाने में हरियाणा की खेल नीति का भी अहम योगदान है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वर्ष 2025-26 के लिए खेल विभाग का 1961.79 करोड़ रुपये बजट आवंटित किया है। जबकि पिछले साल खेलों का बजट 1381.79 करोड़ रुपये था। बजट में खेल के मैदानों, खेल सामग्री को बढ़ावा देने व बीमा योजना को लागू करने का पूरा ख्याल रखा गया है। इसी तरह से युवाओं के कौशल को और निखारने पर भी बल दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तथा इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय रेवाड़ी में नए उत्कृष्टता केंद्र खोले जाएंगे।

सेमीकंडक्टर यूनिट को मिली मंजूरी

यह यूनिट 3706 करोड़ रुपए में यूपी के जेवर में लगाई जाएगी

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास में हुई कैबिनेट बैठक में देश की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी दे दी गई है। यह यूनिट 3706 करोड़ रुपए में उत्तर प्रदेश के जेवर में लगाई जाएगी। एचसीएल और फॉक्सकॉन मिलकर इस यूनिट को बनाएंगे। प्लांट में मोबाइल फोन, लैपटॉप, ऑटोमाबाइल्स, पर्सनल कम्प्यूटर, और दूसरे डिस्प्ले डिवाइसेज के लिए डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स बनेंगे। हर महीने 3.6 करोड़ चिप बनेंगी। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2022 में लॉन्च किया गया था। इसके तहत अब तक 6 प्रोजेक्ट्स अप्रूव किए गए हैं। निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। 270 शैक्षणिक संस्थानों और 70 स्टार्टअप्स के छात्र लेटेस्ट टूल्स के जरिए सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी सीख रहे हैं। 30 अप्रैल को हुई थी पिछली कैबिनेट बैठक इससे पहले 30 अप्रैल को हुई कैबिनेट मीटिंग में जातीय जनगणना का फैसला हुआ था। इसे मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा। जाति जनगणना के ऐलान के बाद राहुल गांधी ने कहा था- आखिरकार सरकार ने जाति जनगणना की बात कह दी है। हम इसे सपोर्ट करते हैं, लेकिन सरकार को इसकी समय सीमा बतानी होगी। हमने तेलंगाना में कास्ट सेंसस कराया, इसे मॉडल बनाया जा सकता है। हमें कास्ट सेंसस से आगे जाना है। किस जाति की ऊंचे पदों में कितनी हिस्सेदारी है, ये पता करनी है। मनमोहन सिंह सरकार के दौरान 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जातिगत जनगणना करवाई गई थी। इसे ग्रामीण विकास मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने करवाया था। हालांकि इस सर्वेक्षण के आंकड़े कभी भी सार्वजनिक नहीं किए गए। ग्रामीण विकास मंत्रालय की वेबसाइट पर इसके एससी-एसटी हाउसहोल्ड के आंकड़े ही जारी किए गए हैं।

शाह ने कहा था- जनगणना 2025 में हो सकती है

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अगस्त 2024 में कहा था कि जनगणना "उचित समय" पर होगी, और यह 2025 में शुरू हो सकती है, जिसमें डेटा 2026 तक प्रकाशित हो सकता है।

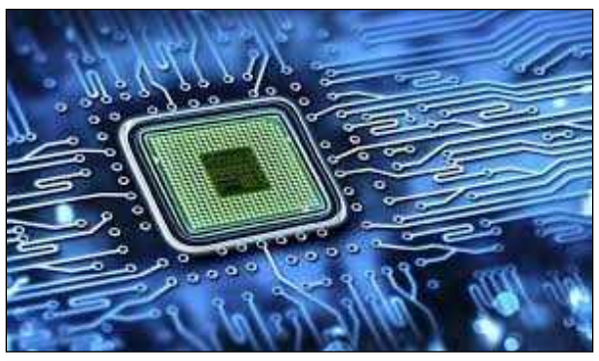

सेमीकंडक्टर का सुपर हब बन रहा यूपी

लखनऊ/हरियाणा वाटिका एजेंसी

उत्तर प्रदेश को उन्नत प्रदेश के रूप में ट्रांसफॉर्म कर रही डबल इंजन सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राज्य के एक ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने की दिशा में मील का पत्थर रखा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में सेमीकंडक्टर यूनिट की स्थापना को स्वीकृति दी गई। डबल इंजन की सरकार द्वारा देश में सेमीकंडक्टर मिशन के अंतर्गत छठी इकाई के तौर पर इस प्रोजेक्ट को स्वीकृत किया गया है। परियोजना के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा में जेवर एयरपोर्ट के समीप दो दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनियों के संयुक्त उपक्रम के तौर पर 3700 करोड़ रुपए के निवेश से यूनिट को स्थापित किया जाएगा। यह सेमीकंडक्टर सेक्टर में उत्तर प्रदेश को सुपर हब के तौर पर स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम सिद्ध होगा।

सीएम योगी ने जताया प्रधानमंत्री का आभार

लखनऊ/हरियाणा वाटिका एजेंसी

उत्तर प्रदेश को उन्नत प्रदेश के रूप में ट्रांसफॉर्म कर रही डबल इंजन सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राज्य के एक ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने की दिशा में मील का पत्थर रखा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में सेमीकंडक्टर यूनिट की स्थापना को स्वीकृति दी गई। डबल इंजन की सरकार द्वारा देश में सेमीकंडक्टर मिशन के अंतर्गत छठी इकाई के तौर पर इस प्रोजेक्ट को स्वीकृत किया गया है। परियोजना के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा में जेवर एयरपोर्ट के समीप दो दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनियों के संयुक्त उपक्रम के तौर पर 3700 करोड़ रुपए के निवेश से यूनिट को स्थापित किया जाएगा। यह सेमीकंडक्टर सेक्टर में उत्तर प्रदेश को सुपर हब के तौर पर स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम सिद्ध होगा। मोदी कैबिनेट के इस फैसले पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आभार जताया। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म ऐक्स पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया तथा इस निर्णय को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम करार दिया।

सीएम नायब सैनी से मिला जर्मन प्रतिनिधिमंडल

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

जर्मनी के पोपे + पोटहॉफ जीएमबीएच के समूह सीईओ मार्कस केरखॉफ के नेतृत्व में एक जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की और उन्हें झज्जर जिले में अपने ऑटोमोबाइल घटक विनिर्माण संयंत्र की प्रगति से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल में पोपे + पोथोफ के बिक्री प्रमुख थॉर्स्टन एलर्सिएक के साथ-साथ इस संयुक्त उद्यम में भारतीय भागीदार लालबाबा इंजीनियरिंग लिमिटेड के प्रतिनिधि भी शामिल थे। बैठक के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने राज्य की उद्योग-अनुकूल नीतियों और सरकार से सक्रिय समर्थन का उल्लेख करते हुए हरियाणा में अपने निवेश के विस्तार में गहरी रुचि व्यक्त की। पोपे + पोटहॉफ कंपनी, जिसकी उपस्थिति 70-80 देशों में है,

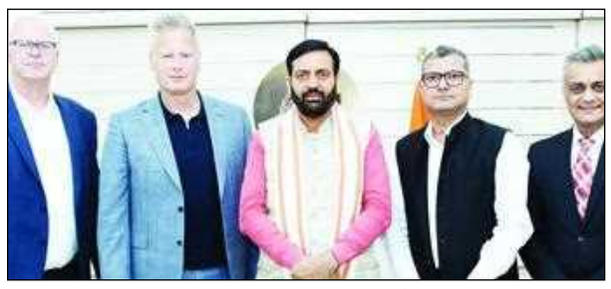

हरियाणा में एक नई अनुसंधान एवं विकास सुविधा की स्थापना की संभावना भी तलाश रही है। साथ ही, वैश्विक और घरेलू दोनों आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए राज्य से कुशल मैनपावर को नियोजित करने के लिए एक संरचित प्रणाली बनाने की योजना भी बना रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार विश्व स्तरीय कौशल विकास पहलों के माध्यम से अपने युवाओं को सशक्त बना रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश द्वारा अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों को वैश्विक उद्योग मानकों के साथ सक्रिय रूप से जोड़ा जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कार्यबल नवीनतम तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक विशेषज्ञता से लैस हो। प्रतिनिधिमंडल से आग्रह करते हुए कहा कि हरियाणा के प्रतिभाशाली युवाओं की अपार क्षमता को पहचान कर उन्हें सार्थक रोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में कार्य करें।

चुनाव आयोग राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कर रहा है संवाद

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग लोकसभा व राज्यों की विधानसभा से जुड़ी चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष व पारदर्शी बनाने की दिशा में निरंतर नई पहल कर रहा है और राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ सीधा संवाद कर रहा है। इसी कड़ी में मुख्य चुनाव आयुक्त व दोनों चुनाव आयुक्तों ने नेशनल पीपल्स पार्टी के अध्यक्ष कोलार्डस संगमा से निर्वाचन सदन, नई दिल्ली में बातचीत की।

स्वच्छ पेयजल की सप्लाई के लिए गंगवा ने दिए निर्देश

चंडीगढ़: हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि आमजन की पेयजल को लेकर आने वाली शिकायतों का तय समय पर समाधान होना चाहिए, इसके लिए एक्सईन, एसडीओ और जेई गंभीरता से कार्य करें। साथ ही महाग्राम योजना को लेकर भी पूरी तरह से सर्तकता बरती जाएं, किसी भी गांव में इससे संबंधित कोई शिकायत नहीं आनी चाहिए। आने वाले दिनों में वे स्वयं भी औचक निरीक्षण करेंगे। कैबिनेट मंत्री श्री गंगवा आज चंडीगढ़ सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के आला अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। बैठक में प्रदेश के सभी जिलों से एसई वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जुड़े थे, उन्होंने इस दौरान भाखड़ा डैम से पानी की मात्रा कम होने के दौरान बनी प्रदेश में पेयजल की स्थिति को लेकर भी जिलावार रिव्यू किया। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि विभाग के अधिकारी सुनिश्चित करें कि आमजन की आने वाली शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर तय समय में निपटान होना चाहिए। लोगों को स्वच्छ पेयजल मुहैया करवाना विभाग का उद्देश्य है, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

उद्योग जगत की जरूरतों के अनुसार बदलेगा पाठ्यक्रम

चंडीगढ़: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की परिकल्पना के अनुसार, प्रशिक्षित युवाओं के लिए अधिकतम रोजगार उपलब्ध कराने के लिए हरियाणा सरकार आईटीआई पाठ्यक्रम को अपडेट कर रही है। गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि नए पाठ्यक्रम में एआई, सॉफ्ट स्किल्स और उद्योग-केंद्रित मॉड्यूल में बुनियादी प्रशिक्षण शामिल होगा, ताकि युवाओं को आधुनिक नौकरियों के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया जा सके। डॉ. सुमिता मिश्रा आज यहां दिसंबर, 2024 में आयोजित मुख्य सचिवों के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रमुख कार्य बिंदुओं पर प्रगति का आकलन करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। डॉ. मिश्रा ने कहा कि अधिकतम

52वें चीफ जस्टिस बने बीआर गवई, राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट के 52वें चीफ जस्टिस (सीजेआई) के रूप में जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई (बीआर गवई) ने आज सुबह शपथ ले ली। राष्ट्रपति भवन में आयोजित भव्य समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उन्हें शपथ दिलाई। जस्टिस गवई देश के पहले बौद्ध सीजेआई और आजादी के बाद इस पद पर पहुंचने वाले दलित समुदाय से दूसरे सीजीआई हैं। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में उनका कार्यकाल छह महीने होगा। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का अभिवादन किया।

कांग्रेस पार्टी ने लोकतांत्रिक जवाबदेही को लेकर देश के 10 से 15 शहरों में ह्यजय हिन्दह्न सभायें और रैलियां निकालने की घोषणा की है। इन सभाओं और रैलियों में वरिष्ठ कांग्रेस नेता भाग लेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पाकिस्तान के साथ सीजफायर और अन्य मुद्दों पर सीधे सवाल पूछेंगे।

नई औद्योगिक नीति शीघ्र ही घोषित की जाएगी: नरबीर

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि किसी भी देश व प्रदेश का विकास उद्योगों के बिना संभव नहीं है। प्रदेश में औद्योगिक विकास को और अधिक बढ़ावा देने के लिए हमने अपने किए गए वायदे के अनुरूप 10 नए औद्योगिक मॉडल टॉऊनशिप विकसित करने के प्रस्ताव पर तेजी से कार्य करना आरंभ कर दिया है। इसके लिए जमीन चिन्हित कर ली गई है। शीघ्र ही कई नीतियों के लिए नए मसौंदे ड्राफ्ट तैयार करके नई औद्योगिक नीति लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वित्त मंत्री के रूप में उद्योग क्षेत्र को अपने बजट में प्राथमिकता दी है और चालू वित्त वर्ष में उद्योग विभाग के बजट में 126 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 1848 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले 5-6 वर्षों में औद्योगिक क्षेत्र में नया बदलाव देखने को मिले, उद्योग मंत्री के रूप में यह उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उद्योग मंत्री ने कहा कि जब गुरुग्राम में मारुति ने अपनी पहली इकाई स्थापित की थी, उस समय यह शहर औद्योगिक रूप से पिछड़ा क्षेत्र माना जाता था। आज विश्व की बहुउदेशीय कंपनियों ने यहाँ अपनी इकाइयां स्थापित की हैं और गुरुग्राम ने आज देश के साइबर सिटी के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के साथ लगते मेवात में नई आईएमटी विकसित की जाएगी।

ाानेसर के बाद मेवात में मेसर्स एम्परेक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने अपनी इकाई स्थापित करने में रूचि दिखाई है। कम्पनी द्वारा प्रस्तावित अपने 7,083 करोड़ रुपये में से 2460 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि मेवात देश के 100 आकांक्षित पिछड़े जिलों में से एक है। प्रदेश सरकार का प्रयास रहेगा कि आने वाले समय में मेवात प्रदेश के अन्य जिलों की तरह एक विकसित जिला बने। उन्होंने कहा कि टैक्सटाइल इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा आत्मनिर्भर वस्त्र नीति 2025 लागू की है। पानीपत, गुरुग्राम और फरीदाबाद में टैक्सटाइल उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। इस नीति के तहत उद्योगों को 1200 करोड़ रुपये की सब्सिडी देने का प्रावधान किया गया है।

गैरकानूनी गर्भपात के खिलाफ सख्ती, जिला स्तरीय स्थायी समितियों का गठन

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा में लिंगानुपात सुधारने के लिए प्रदेश में किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करने हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने आज राज्य के सभी उपायुक्तों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कन्या भ्रूण हत्या पर अंकुश लगाने के प्रयासों को तेज करने और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत उपायों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक के दौरान, अतिरिक्त मुख्य सचिव ने निर्देश देते हुए कहा कि उपायुक्त इस मिशन को व्यक्तिगत प्राथमिकता दें और कन्या भ्रूण हत्या की समस्या से निपटने के लिए व्यापक कदम उठाएं। दीर्घकालिक परिणाम प्राप्त करने के लिए जमीनी स्तर पर निरंतर कार्रवाई किया जाना महत्वपूर्ण है।

हरियाणा बोर्ड के टॉपर्स को सम्मानित करेगी सरकार

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड के टॉपर्स छात्रों से बात की। सीएम ने आर्ट, कॉमर्स और विज्ञान संकाय के टॉपर्स को बधाई दी। सैनी ने कॉमर्स संकाय से प्रदेश में प्रथम स्थान पाने वाले कैथल के अर्पनदीप सिंह, आर्ट संकाय की टॉपर जींद की सरोज और विज्ञान संकाय के टॉपर भिवानी के नमन से बात की और तीनों को उनकी शानदार उपलब्धि और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि तीनों संकायों में प्रथम स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से सम्मानित करवाया जाएगा। विद्यार्थियों को पुरस्कार स्वरूप एक-एक लाख रुपये की राशि भी प्रदान की जाएगी। ढांडा ने बताया कि वाणिज्य में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्यो माजरा कैथल के अर्पनदीप सिंह ने 500 में 495 अंक प्राप्त किए। डीएल मॉडल स्कूल नरवाना रोड, जींद की सरोज ने आर्ट में 500/494 अंक और नॉन मेडिकल में पीएस नवयुक्त सीनियर सेकेंडरी स्कूल, तोशाम भिवानी के नमन वर्मा ने 500/493 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया

अंत्योदय उत्थान व ग्रामीण विकास के ध्येय को आगे बढ़ाएं: कृष्ण लाल पंवार

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने नवनियुक्त बीडीपीओ को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी निष्ठा और ईमानदारी से काम करें और हरियाणा सरकार के अंत्योदय उत्थान व ग्रामीण विकास के ध्येय को आगे बढ़ाने का काम करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास तभी संभव है जब प्रशासनिक अधिकारी जनसरोकारों को प्राथमिकता देते हुए पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।

विदेशी आक्रांताओं के कालखंड में जिस साहस, भक्ति और समर्पण से काशी से लेकर रामेश्वरम् तक तीर्थस्थलों का पुनरुद्धार कराया

सीएम नायब सिंह सैनी ने 25 बीडीपीओ को सौंपे नियुक्ति पत्र

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज 25 नव-नियुक्त खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि पर बीडीपीओ को बधाई दी और कहा कि वे ग्रामीण हरियाणा के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। मुख्यमंत्री उनके आवास संत कबीर कुटीर पर आयोजित कार्यक्रम में नव-नियुक्त अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के विजन को साकार करने में खंड विकास एवं

पंचायत अधिकारियों की महत्ती भूमिका होगी। विकसित भारत की यात्रा लिखने की पटकथा का काम आपके हाथ से होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन अधिकारियों के नियुक्त होने से विभाग में बीडीपीओ की कमी पूरी होगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण प्रशासन के अग्रिम पंक्ति के अधिकारी होने के नाते आप सभी की भूमिका केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि परिवर्तनकारी भी है। आपको मजबूत ग्रामीण ढाँचा तैयार करने, पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में कार्य करना होगा।

हरियाणा में समाप्त हुआ खर्ची-पर्ची का दौर, अब मेरिट के आधार पर मिलती हैं सरकारी नौकरियाँ

नायब सिंह सैनी ने कहा कि आप सभी का चयन पूरी तरह मेरिट के आधार पर हुआ है।

यह हरियाणा की नई कार्य संस्कृति का प्रतीक है। वर्तमान सरकार ने 'खर्ची-पर्ची' की व्यवस्था को समाप्त करके यह सुनिश्चित किया है कि केवल योग्य और पात्र अभ्यर्थियों को ही सरकारी सेवा में स्थान मिले। आज गरीब परिवारों के बच्चे भी बिना पर्ची और बिना खर्ची के अपनी मेहनत के बल पर एचसीएस और बीडीपीओ के पदों पर चयनित हो रहे हैं।

ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करते हुए जन समस्याओं का करें समाधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीडीपीओ के तौर पर आप सभी सरकार का चेहरा हैं, आमजन आपको सरकार के रूप में देखते हैं और बहुत सी अपेक्षाएं रखते हैं। बीडीपीओ गांव के साथ सीधे तौर पर जुड़े होते हैं, इसलिए गांव के विकास में और सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने में आप सबकी मुख्य भूमिका रहेगी। लोगों की जो अपेक्षाएं आपसे होंगी। , उन अपेक्षाओं पर सदैव खरा उतरने का काम करें और हमेशा ईमानदारी से काम करें।

तोशाम की जनता से मेरे परिवार का है तीन पीढ़ियों से गहरा नाता : श्रुति चौधरी

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी बंसीलाल के कार्यकाल में बनी क्षेत्र की सभी नहरों और माइनरों का किया जाएगा जीर्णोद्धार : श्रुति चौधरी

हरियाणा वाटिका/दीपक माहेश्वरी

तोशाम, 14 मई। प्रदेश की सिंचाई तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि उनके दादा पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी बंसीलाल ने अपनी विकासपरक सोच से पूरे हिंदुस्तान में हरियाणा का नाम रोशन किया। उनके कार्यकाल के दौरान क्षेत्र में बनी सभी माइनर और नहरों का जीर्णोद्धार करवाया जाएगा ताकि किसानों को सिंचाई के लिए और गांवों में आमजन को पेयजल के लिए पर्याप्त मात्रा पानी मिल सके। उन्होंने कहा कि पेयजल परियोजनाओं के लिए सरकार द्वारा करोड़ों रुपए की राशि मंजूर की गई है। जल्द ही जिला की नहरों में पानी आ जाएगा, इसके बाद पानी की किल्लत नहीं रहेगी।

सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी बुधवार को तोशाम विधान सभा क्षेत्र में विभिन्न गांवों में ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए अपना संदेश दे रहीं थी। उन्होंने कहा कि तोशाम विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी, करोड़ों रुपए की परियोजनाएं मंजूर की गई हैं। तोशाम विधानसभा क्षेत्र में अधिक से अधिक विकास करवाना ही उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि तोशाम की जनता से उनके तीन पीढि?ों का नाता है, यहां की जनता ने हमेशा उनका साथ दिया है।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए श्रुति चौधरी ने कहा कि गांव बागनवाला में 60 लाख रुपए की लागत से पेयजल आपूर्ति के लिए अतिरिक्त टैंक का निर्माण करवाया जाएगा। इसी प्रकार से 11 करोड रुपए की लागत से भुरटाना-निंगाना लिंक नहर का निर्माण करवाया जाएगा, जिससे इस क्षेत्र की पानी की समस्या दूर होगी। उन्होंने कहा कि गांव डाडम में करोड़ों रुपए की एक पेयजल योजना मंजूर की गई है, जिससे आसपास के करीब एक दर्जन गांवों की पेयजल समस्या दूर होगी। उन्होंने बताया कि बागनवाला माइनर का पुनर्निर्माण करवाया जाएगा, जिस पर करीब 2 करोड रुपए की लागत आएगी। छपार माइनर के जीर्णोद्धार के लिए 12 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

इसी प्रकार से छपार रांगडान में जोड़ तक पाइप लाइन डलवाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बंसीलाल ने प्रदेश में किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध करवाने के लिए नेहरू का जाल बिछाया, जिसमें तोशाम विधानसभा क्षेत्र भी शामिल रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की इन सभी नहरों और माइनरों का जीर्णोद्धार करवाया जाएगा, ताकि खेतों में गांव तक निर्बाध रूप से पानी की सप्लाई हो सके। बंसीलाल ने पूरे प्रदेश में समान रूप से विकास करवाया।

सिंचाई मंत्री ने इस दौरान ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन गांवों में पेयजल की समस्या बनी हुई है, वहां पर टैंकरों के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति करवाई जाए। ग्रामीणों के सामने पेयजल की कीमत नहीं बननी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि बिजली निगम, सिंचाई विभाग और जलापूर्ति विभाग आपसी तालमेल के साथ में पेयजल आपूर्ति करवाना सुनिश्चित करें।

15 मई को तोशाम कस्बे में निकाली जाएगी तिरंगा यात्रा...

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने कायराना हरकत की, जिसका हिंदुस्तान ने करारा जवाब दिया। इससे पूरे देश का सीना गर्व से चौड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में देश सुरक्षित है। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान को दिए गए करारे जवाब और सेना के शौर्य गाथा को जन जन तक पहुंचाने के लिए 15 मई को कस्बा तोशाम में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।

उन्होंने लोगों से तिरंगा यात्रा में बढ़ चढकर भाग लेने का आह्वान किया।

सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने बुधवार को गांव बागनवाला, डाडम, सरल, छपार रांगड़ान, छपार बास, छपार जोगियान, ढ़ाणी सरल, खरकड़ी माखवान, लक्षमणपुरा व झांवरी में जनसमस्याएं सुनी। इसके अलावा छपार रांगड़ान में गांव की फिरनी का भी उदद्घाटन किया। सभी गांव के विकास के लिए करोड़ों रुपए के विकास योजना की घोषणा की। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा श्रुति चौधरी का फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया।

इस दौरान एसडीएम वीरेन्द्र सिंह, तहसीलदार अशोक कुमार, बीडीपीओ विनोद सांगवान, एसइ राजीव बत्रा, एक्सईएन नवीन देशवाल, अमनदीप, मनीष देशवाल, बीएस बागोटिया, विकाश धनखड़,कानूनगो राजेंद्रजाखड़, एसडीओ डॉ. सुनील शर्मा, टीडब्ल्यूओ राजकुमार, एसएस रतन सिंह, एडवोकेट हरिसिंह सांगवान, वायस चेयरमैन सुनील भारीवास, कुलदीप मनसरवास, जयसिंह वाल्मीकि, संदीप जाटान, वजीर डाडम, सुनील डाडम, मनदीप कांटिया, सुखबीर पंघाल, रमेश पंघाल, वैभव अशोक सिंगला, भोलू पूर्व पार्षद, ओमपाल पंघाल, सुरेश लाठर, पंडित रामकिशन शर्मा मीरान वाले, रमेश पूनिया ढाणी सरल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, अनेक पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिंदल स्टेनलेस ने उद्योग जगत में पहली बार सप्लाई चेन डिजिटलीकरण परियोजना शुरू की

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

हिसार, 14 मई। जिंदल स्टेनलेस ने प्रोजेक्ट प्रगति के शुभारंभ की घोषणा की। यह एक अग्रणी डिजिटल परिवर्तन पहल है, जिसका उद्देश्य हिसार स्थित विनिर्माण संयंत्र में कास्टिंग से लेकर फिनिशिंग तक की उत्पादन प्रक्रिया को स्वचालित बनाना है। स्टेनलेस स्टील और स्टील उद्योग में अपनी तरह का पहला प्रोजेक्ट प्रगति, डसॉल्ट सिस्टम्स के डेलमिया एप्लिकेशन के जरिए उन्नत प्लानिंग और एक्जीक्यूशन टेक्नोलॉजी को जोड़ता है। इसमें कैपजेमिनी को इम्प्लीमेंटेशन पार्टनर के रूप में शामिल किया गया है। इस पहल का उद्देश्य उत्पादन क्षमता को तेजी से बढ़ाना और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना है।

प्रगति परियोजना के लागू होने से ग्राहकों को मौजूदा अवधि से पहले डिलीवरी मिलने की संभावना 10-15 प्रतिशत तक बढ़ेगी, जिससे डिलीवरी प्रदर्शन में महत्वपूर्ण सुधार होगा। यह परियोजना पिछले समय के आंकड़ों के आधार पर उपयुक्त इन्वेंट्री स्तर बनाए रखने में मदद करेगी, जिससे ग्राहक संतुष्टि में भी वृद्धि होगी। साथ ही प्रगति रियल-टाइम ट्रैकिंग और स्मार्ट तरीके से संसाधनों के आवंटन के जरिए इन्वेंट्री लागत को 8-10 प्रतिशत तक कम करेगी। इसके अलावा, यह डिजिटल सॉल्यूशन उपकरणों की लोडिंग और रूट ऑप्टिमाइजेशन की बेहतर जानकारी देकर लगभग 5 प्रतिशत तक क्षमता उपयोग को भी बढ़ाएगा।

शुभारंभ के अवसर पर बोलते हुए जिंदल स्टेनलेस के प्रबंध निदेशक श्री अभ्युदय जिंदल ने कहा कि हमारे हिसार यूनिट में प्रगति की शुरूआत हमारे डिजिटल नवाचार के माध्यम से अपनी वैल्यू चेन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल कई चरणों में सामने आएगी। दूसरे चरण में, हमारा उद्देश्य इसे हमारे जाजपुर संयंत्र में लागू करना है, जो हमारे विनिर्माण प्रणालियों और मशीनों से सीधे प्रक्रिया मापदंडों का रियल-टाइम में एकत्र करने की सुविधा प्रदान करेगा। आने वाले वर्षों के लिए निर्धारित तीसरा और अंतिम चरण,हमें पूरी सप्लाई चेन का स्वचालन प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा, जो कच्चे माल की खरीद से लेकर अंतिम-मील डिलीवरी तक, उन्नत ट्रांसपोर्ट ट्रैकिंग सिस्टम द्वारा सक्षम बनाएगा। मुझे खुशी है कि प्रगति के जरिए हम भारत में स्टेनलेस स्टील निर्माण की नई परिभाषा गढ़ रहे हैं, नए उद्योग मानक स्थापित कर रहे हैं, और हमारे देश को आत्मनिर्भर और विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण की ओर अग्रसर कर रहे हैं।

प्रगति, डेलमिया क्विंटिक की करैक्टेरिस्टिक्स-बेस्ड प्लानिंग पर काम करता है, जिसे एसएपी के साथ जोड़कर स्मार्ट और आसान बनाने हेतु तैयार किया गया है। जब ग्राहक कोई तैयार उत्पाद ऑर्डर करता है, तो प्रगति स्वचालित रूप से यह पहचानता है कि उसे किस तरीके से सबसे जल्दी और बेहतर पूरा किया जा सकता है। यह या तो मौजूदा स्टॉक से उत्पाद को भेजता है, या फिर उत्पादन के किसी चरण में, जैसे कास्टिंग से लेकर फिनिशिंग तक, उत्पादन की योजना बनाता है, ताकि मांग को जल्दी और कुशल तरीके से पूरा किया जा सके। इस प्रणाली से मैन्युअल काम समाप्त हो जाता है और स्वचालित निर्णय लेने की प्रक्रिया शुरू होती है।

युवती घर से नकदी व आभूषण लेकर लापता

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 मई। गांव दड़बा कलां से एक युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई।

पुलिस को दी शिकायत में युवती के परिजनों ने बताया कि उनकी बेटी सिरसा में एलएलबी की पढ़ाई कर रही थी। बीती 13 मई को परिवार के लोग बाहर गए हुए थे। इसी दौरान दोपहर के समय उनकी बेटी को गांव मोचीवाली निवासी बिंदु, शादी का झांसा देकर घर से बहला फुसलाकर ले गया। घर से जाते वक्त उनकी बेटी 3 लाख रुपए, कुछ सोने के जेवरात, जमीन के कागजात व अपने पढ़ाई से संबंधित सारे दस्तावेज अपने साथ ले गई। शाम को परिवार के लोग घर आए तो घटना का पता चला। उन्होंने अपने स्तर पर आस पड़ोस व रिश्तेदारी में काफी तलाश की, लेकिन बेटी का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

कोचिंग सेंटर के बाहर से बाइक चोरी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 मई। रेलवे ओवरब्रिज के नीचे एक कोचिंग सेंटर के बाहर से चोर बाइक चोरी कर ले गए।

पुलिस को दी शिकायत में गांव दड़बी निवासी संदीप कुमार ने बताया कि दोपहर को उसका बेटा पारस उसके दोस्त की बाइक लेकर कोचिंग सेंटर गया था। सेंटर के बाहर बाइक खड़ी कर वह अंदर चला गया। कुछ देर बाद आया तो बाइक गायब मिली। उसने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 मई। गांव नथौर से एक महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई।

पुलिस को दी शिकायत में महिला के पति ने बताया कि वह मजदूरी करता है। उसने बताया कि बीती 12 मई की दोपहर को वह खाना खाने के लिए घर आया था। जब उसने पत्नी से खाना मांगा तो वह झगड़ा करने लगी। वह बिना खाना खाए वापस चला गया। उसकी माता किसी काम से पड़ोस में गई थी। कुछ देर बाद आई तो उसकी पत्नी घर में नहीं मिली। उसने अपने स्तर पर आस पड़ोस व रिश्तेदारी में काफी तलाश की, लेकिन पत्नी का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

अब तक हुई 8 लाख मीट्रिक टन से अधिक हुई गेहूं की खरीद

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 मई। जिला की अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद का कार्य जारी है, अब तक आठ लाख 20 हजार 133 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। डीएफएससी मुकेश कुमार ने बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों व खरीद केंद्रों में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 92 हजार 686 हजार मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा पांच लाख 58 हजार सात मीट्रिक टन तथा हरियाणा राज्य भंडारण निगम द्वारा एक लाख 69 हजार 440 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। कालांवाली अनाज मंडी में 81052 मीट्रिक टन, ऐलनाबाद अनाज मंडी में 40638 मीट्रिक टन, सिरसा अनाज मंडी में 35620 मीट्रिक टन, नाथूसरी चौपटा मंडी में 20044 मीट्रिक टन, डबवाली मंडी में 47544 मीट्रिक टन, बड़ागुढ़ा में 16462 मीट्रिक टन, बप्पा में 12547 मीट्रिक टन, डिंग में 22182 मीट्रिक टन, कुत्ताबढ में 9121 मीट्रिक टन, ओढां में 22422 मीट्रिक टन, जीवन नगर मंडी में 22650 मीट्रिक टन और रानियां में 39186 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है। साथ ही जिला की अन्य मंडियों में भी गेहूं की खरीद भी जारी है।

कार सवार 63.26 ग्राम अफीम सहित काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 मई। सीआईए सिरसा पुलिस गश्त व चैकिंग के दौरान बिजलीघर बरनाला रोड सिरसा क्षेत्र से कार सवार युवक को 63 ग्राम 26 मिलीग्राम अफीम सहित काबू किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी सब इंस्पेक्टर प्रेम कुमार ने बताया कि थाना की एक पुलिस टीम गश्त के दौरान बरनाला रोड़ स्थित बिजलीघर के पास नाकाबंदी कर आने जाने वाले वाहनों की चैकिंग कर रही थी। इसी दौरान ओवर ब्रिज बरनाला की ओर से एक कार आती हुई दिखाई दी। उक्त कार सवार युवक ने सामने पुलिस पार्टी को देखकर कार को वापस मोडकर कर खिसकने का प्रयास करने लगा तो अचानक कार बंद हो गई। शक के आधार पर पुलिस पार्टी ने उक्त कार सवार युवक को काबू कर राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी ली तो कार के गियर बॉक्स में एक पारदर्शी पन्नी मिली जिसे खोलकर चैक किया तो पन्नी से 63 ग्राम 26 मिलीग्राम अफीम बरामद हुई। आरोपी की पहचान गुरलाल सिंह उर्फ गुरी पुत्र बलदेव सिंह निवासी गांव बाहिया जिला सिरसा के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना सिविल लाइन सिरसा में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

संत रोशन लाल विद्यालय ढाणी माहू के विद्यार्थियों का 10वीं व 12वीं के परीक्षा परिणाम में रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरियाणा वाटिका/दीपक माहेश्वरी

तोशाम, 14 मई। सीबीएसई द्वारा घोषित दसवीं तथा 12वीं कक्षा के वार्षिक परीक्षा परिणाम में गांव ढाणी माहू के संत रोशन लाल विद्या मंदिर विद्यालय के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। जिसमें विद्यालय की छात्रा उमा ने 98.4 प्रतिशत अंक हासिल कर परचम लहराया।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को सीबीएसई बोर्ड द्वारा कक्षा 10वीं व 12वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें संत रोशन लाल विद्या मंदिर ढाणी माहू के होनहार विद्यार्थियों का परिणाम उत्कृष्ट रहा। संत रोशन लाल विद्या मंदिर ढाणी माहू का कक्षा 10वीं व 12वीं का वार्षिक परिणाम शत-प्रतिशत रहा कक्षा दसवीं में मोहित शर्मा, निशा, स्नेह शर्मा, पूर्वा, दिवेश, प्रिंस, संजना, भावदीप

सिंह, युक्ति, नेहा, प्रिंस, अनुज कुमार, साकेत यादव, आशु ग्रेवाल और वर्षा ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर अपना तथा अपने माता-पिता व विद्यालय का नाम रोशन किया।

इसके अलावा 44 विद्यार्थियों ने मैरिट में जगह बनाई। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में 35 विद्यार्थियों ने मैरिट में स्थान प्राप्त किया। अनुष्का, समीर, मोहित ग्रेवाल, हिमांशी पंघाल, निशा, राहुल, तनु व नेहा ने फाइन आर्ट विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त किये। उमा, नैंसी, अर्पिता, अनुष्का, कविता, अंकित, मिंकी व नैना ने संगीत विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त किये। इस शुभ अवसर पर यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने होनहार विद्यार्थियों अभिभावकगण व छात्रों को कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा दी। संत रोशन लाल विद्या मंदिर के चेयरमैन अपूर्व अग्रवाल ने सभी को बधाई दी। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही बीएड कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सुदेश चौधरी व विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रेमलता नेहरा ने होनहार विद्यार्थियों व उनके माता-पिता को फूल-मालाओं से सम्मानित कर बधाई दी व छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

एसपी मयंक गुप्ता ने विद्यार्थियों के साथ किया संवाद

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 मई। एसपी डॉ. मयंक गुप्ता ने बुधवार को डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय में रोबेटिक लैब और स्टोरी लॉऊंज का उद्घाटन कर छात्रों से संवाद किया।

प्राचार्य जॉय बनर्जी ने पारंपरिक अंदाज में उनका अभिनंदन किया। पुलिस अधीक्षक के आगमन पर स्कूली स्काउट्स एवं गाइड्स की टोली ने अनुशासित मार्च पास्ट और सलामी दी। तदोपरांत विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत और नृत्य से महोदय का स्वागत किया?। उन्होंने दसवीं कक्षा में टॉपर्स रहे विद्यालय के छात्रों को पदक पहनाकर सम्मानित किया। डॉ. गुप्ता ने विद्यालय के अनुशासन, शैक्षणिक गुणवत्ता और सांस्कृतिक गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे शिक्षण संस्थान देश के भविष्य निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बच्चों को कर्तव्यनिष्ठ, ईमानदार और संवेदनशील नागरिक बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने शिक्षकों से भी मुलाकात की और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य जॉय बनर्जी ने एसपी महोदय का सत्यार्थ-प्रकाश ग्रंथ देकर स्वागत किया और विद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी।

राजस्थान से हरी लकड़ी की तस्करी करने वालों के हौसले बुलंद

अधिकारियों के साथ मारपीट का प्रयास, लोहारू थाने में दी शिकायत, केस दर्ज

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 14 मई। लोहारू सीमा से लगते निकटवर्ती राज्य राजस्थान से हरी लकड़ी की तस्करी का धंधा जोरों पर है। मजे की बात यह है कि लकड़ी तस्कर लोहारू के अप्रोच रास्तों व कच्चे रास्तों से हरी लकड़ी सिंघानी की आरा मशीनों तक पहुंचा रहे हैं। इन लकड़ी तस्करों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि वन राजिक अधिकारी के सामने से लकड़ी से भरी पिकअप भगाकर हरियाणा में प्रवेश कर रहे हैं। विगत रात्रि को पिपली पुलिस चौकी के पास से क्षेत्रीय वन अधिकारी रेंज चिडावा वन मंडल की अधिकारी के सामने से लकडि?ों की भरी हुई तीन पिकअप भगाकर कच्चे और अप्रोच रास्तों से हरियाणा में प्रवेश कर गए। वन विभाग की टीम ने पीछा किया और लोहारू वन राजिक अधिकारी ओमप्रकाश पिलानियां को इस बारे में सूचना देते हुए पुलिस थाने में उनके खिलाफ शिकायत दी है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है और जांच को प्रारंभ कर दिया है। क्षेत्रीय वन अधिकारी रेंज चिडावा वन मंडल की अधिकारी सुमन कुमारी ने लोहारू थाने में लिखित शिकायत देते हुए कहा है कि विगत रात्रि को गश्त के दौरान पिपली चौकी के पास से लकडियों से भरी हई तीन गाडि?ां देखी। इसके बाद सभी गाडि?ों का पीछा किया और पीछा करते हुए कच्चे रास्ते से आ रहे थे कि पिछा करते हुए हम हरियाणा की सीमा कुशलपुरा गांव मे आ पहुंचे। उनका आरोप है कि इन तीनों पिकअप का एक खाली गाड़ी एस्कोर्ट कर रही थी जिन्होंने कुशलपुरा गांव में उनके साथ बदतमीजी की और लकड़ी से भरी हुई तीनों पिकअप वहां से भगा ले गए। सभी पिकअप के कोई भी नंबर प्लेट नहीं थी। वहां पर पहुंची भीड़ में लोगों ने उनके साथ मारपीट करने की कोशिश की और और उकनी गाड़ी की चाबी छीन ली गई। जिसके बाद लोहारू वन राजिक अधिकारी ओमप्रकाश पिलानियां और लोहारू पुलिस को सूचना दी गई। हमें तुरन्त सहायता पहुंचाने आए एक पुलिस जवान की वर्दी भी फाड़ दी गई। पुलिस जवान की उंगली को दांतों से काटा व उनके सीने पर लातों से वार किया। इसके बाद थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और उनकी सहायता की। उन्होंने बताया कि उनकी टीम में सहायक वन संरक्षक राजस्थान व सेवा कमलचन्द, ड्राइवर राजकुमार, मुकेश कुमार वनपाल, सुधीर भडीया वनपाल व प्रकाश आनन्द वनरक्षक थे जिनको लोहारू पुलिस द्वारा वहां से सुरक्षित निकाल लिया गया। क्षेत्रीय वन अधिकारी रेंज चिडावा वन मंडल की अधिकारी सुमन कुमारी की शिकायत के आधार पर लकड़ी तस्करों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

हत्या के मामले में दो आरोपी काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 मई। सीआईए सिरसा व डिंग थाना पुलिस की सयुंक्त पुलिस टीम ने बीती 6 मई की रात्रि को गांव डिंग मोड़ के पास बाइक सवार युवक की चाकू मार कर हत्या करने के मामले में दो युवकों को डिंग थाना क्षेत्र से काबू किया है। डिंग थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के भाई परमजीत निवासी पतली डाबर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसका भाई डिंग मोड़ पर घर का सामान लेने के लिए बाइक पर आया हुआ था। इसी दौरान अज्ञात युवकों ने किसी रंजिश के चलते उसके भाई अमरीक सिंह की गर्दन में चाकू मार कर हत्या कर दी है। पीड़ित की शिकायत के आधार पर डिंग थाना में हत्या की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। उन्होंने बताया कि मामला जैसे ही पुलिस अधीक्षक सिरसा के संज्ञान में आया तो उन्होंने तुरंत प्रभाव से सीआईए सिरसा व डिंग थाना की सयुंक्त पुलिस टीम का गठन कर हत्या की इस गुत्थी को शीघ्र सुलझाने के निर्देश दिए थे। जांच के दौरान सीआईए सिरसा व डिंग थाना की पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूराग जुटाते हुए घटना में संलिप्त दो आरोपियों को डिंग क्षेत्र से काबू कर लिए है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मनीष उर्फ काकू पुत्र दिनेश कुमार निवासी पतली डाबर व हर्षित उर्फ राम पुत्र सुशील कुमार निवासी वाल्मिकी चौक हनुमानगढ़ राजस्थान के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है और पूछताछ के दौरान जो भी व्यक्ति हत्या की इस घटना में संलिप्त पाया गया उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अमानवीय: दिव्यांग को बेल्ट से पीटा

अंगुली काटने की कोशिश, अर्धनग्न कर बनाई वीडियो, केस दर्ज, जांच जारी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 मई। जिला में एक दिव्यांग युवक को अगवा कर बेल्ट से पीटने का अमानवीय मामला सामने आया है। घायल युवक मेडिकल स्टोर पर काम करता था। किसी जानकार ने उसे फोन कर दुकान पर बुलाया। इसके बाद जानकार व दो अन्य युवक उसे जबरदस्ती गाड़ी में बैठाकर होटल ले गए। वहां पर होटल की बेसमेंट में तीनों ने मिलकर बेल्ट और कापे से उसे पीटा। हमलावरों ने उसकी अर्धनग्न हालत की वीडियो बनाई और शमिंर्दा करने के लिए उसके मुंह पर जूता रखा। इसके अलावा उसके हाथ की अंगूली काटने की भी कोशिश की गई।

यह है मामला:

पुलिस को दी शिकायत में सिरसा के कंगनपुर रोड सुदंर नगर गली नंबर तीन निवासी अशरफ ने बताया कि वह बेगू रोड पर सूर्य होटल के पास तनेजा मेडिकल की दुकान पर काम करता है।

कंगनपुर रोड पर कुमार सैलून नाम से नाई की दुकान में काम करने वाला संजय का उसके पास फोन आया और कहा कि अशरफ आज कल कहां रहता है, दुकान पर नहीं आता। अशरफ ने बताया कि उसके बाद वह अपने घर से पैदल-पैदल कुमार सैलून पर चला गया। वहां उसे संजय मिला और उसके पास में सेठी उर्फ राजिंद्र बैठा था और एक अन्य लडका वहां पर आ गया। सफेद रंग की स्विफ्ट गाड़ी में जबरदस्ती बैठाकर दोनों उसे ऑटो मार्केट में एक होटल में ले गए, जिसे सेठी चला रहा था। होटल के बेसमेंट में ले गए और वहां पर दोनों उसे बेल्ट और कापा से पीटा।

आरोपियों ने दी जान से मारने की धमकी:

पीड़ित ने बताया कि इसके बाद उसे गाड़ी में बैठाकर देवीलाल पार्क में ले गए, जहां पर चार से पांच युवक आ गए, जिनको वह जानता नहीं। उन सभी ने मिलकर बुरी तरह पीटा और कहने लगे कि कर्ण उर्फ बेगू तेरा दोस्त है। उसको सुबह उनके पास लेकर आना, इसलिए छोड़ा है। अगर कर्ण को लेके नहीं आया तो जान से मार देंगे। उसे वहीं पर छोडकर चले गए। घायल असरफ ने आरोप लगाया कि तीनों हमलावरों ने उसकी अर्धनग्न हालत में वीडियो बनाई और उसे शमिंर्दा करने के लिए मुंह में जुता रखवाकर फोटो खींची। यहीं नहीं उसके हाथ की अंगूली काटने की कोशिश, पर बहुत गिड़गिड़ाया तो छोड़ दिया। वह पैदल बड़ी मुश्किल से अपने घर पर आया और पिता ने उसे सिविल अस्पताल में पहुंचाया। घायल दिव्यांग ने सुसाइड की भी कोशिश की, लेकिन घरवालों ने उसे समझाकर रोक लिया। अभी उसका इलाज चल रहा है। उसे सिर, पीठ, जांघ और पैरों पर काफी चोटें लगी है। चिकित्सकों ने उसे गंभीर हालत के चलते अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में रेफर कर दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। इस मामले में सदर थाना पुलिस ने तीनों युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

माइंड ट्री स्कूल के छात्रों ने सीबीएसई दसवीं कक्षा के परिणामों में बाजी मारी

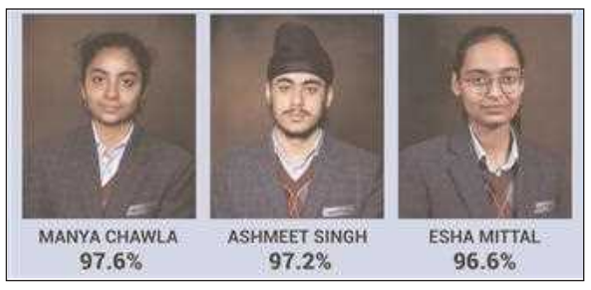

हरियाणा वाटिका/प्रवीण कुमार

मोहाली, 14 मई। माइंड ट्री स्कूल ने सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2024-25 में अपने विद्यार्थियों के शानदार प्रदर्शन के साथ एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता की मिसाल पेश की है।

इस वर्ष के परिणामों के शिखर पर मान्या चावला रहीं , जिन्होंने 97.6% अंकों के साथ स्कूल में प्रथम स्थान अर्जित किया , दुसरे स्थान पर अश्मीत सिंह ने 97.2% और तीसरे स्थान पर ईशा मित्तल ने 96.6% अंक प्राप्त कर अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन दर्ज किया। सभी विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ अनुशासन, निरंतरता और शैक्षणिक कठोरता पर स्कूल के अटूट फोकस को दशार्ती हैं।

माइंड ट्री स्कूल के समग्र परिणाम भी अत्यंत प्रभावशाली रहे , जिसमें 66% छात्रों ने 85% से अधिक अंक प्राप्त किए, 88% ने 75% अंकों को पार किया और स्कूल का औसत रिजल्ट 86.47% रहा। यह लगातार चौथा साल है जब स्कूल ने शानदार औसत (85.29%, 87.26%, 86.72%, 86.47%) हासिल किया है, जो स्कूल के संरचित और परिणाम-संचालित शैक्षणिक ढांचे को दशार्ता है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने करवाई प्रतियोगिताएं

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 मई। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पहल पर पेंटिंग, निबंध लेखन व वाद विवाद प्रतियोगिताएं हुई। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को महिलाओं के सम्मान एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। इस आयोजन की प्रभारी राजनीति विज्ञान की अध्यापिका राज रानी थी।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक प्रतियोगिताओं में 10-10 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि पेंटिंग प्रतियोगिता में सत्यप्रभा ने प्रथम व विजयलक्ष्मी ने द्वितीय स्थान, निबंध लेखन प्रतियोगिता में अक्षरा प्रथम व नैंसी ने द्वितीय स्थान, वाद-विवाद प्रतियोगिता में आर्यन और खुशबू की टीम ने पहला और प्रिंस और तानिया की टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल की भूमिका सुनील कुमार व डॉ. वीमी गोयल ने निभाई। प्रधानाचार्य मदन मलिक ने कहा कि महिलाओं की गरिमा और सम्मान का संरक्षण समाज की जिम्मेदारी है और ऐसे आयोजनों से बच्चों में इस सोच की नींव मजबूत होती है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को शुभकामनाएं दी।

पीबीपार्टनर्स ने अंबाला की अंशी अरोड़ा को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

अम्बाला, 14 मई। पॉलिसीबाजार का पीओएसपी खंड, पीबीपार्टनर्स लोगों को एक सफल बीमा एजेंट पार्टनर बनने के लिए आवश्यक टूल्स, टेक्नोलॉजी और सपोर्ट प्रदान करता है। पूरे देश में लाखों एजेंट पार्टनर पीबीपार्टनर्स की मदद से नए अवसर प्राप्त कर रहे हैं। वो इनोवेशन और प्रभाव के साथ वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बन रहे हैं। ऐसी ही एक प्रेरणाप्रद कहानी अंबाला, हरियाणा की समर्पित मोटर इंश्योरेंस एडवाईजर, अंशी अरोड़ा की है।अंशी ने चार साल पहले पीबीपार्टनर्स के साथ काम करना शुरू किया था। यह व्यक्तिगत और व्यवसायिक रूप से उनके करियर का एक टर्निंग पॉईंट था। इसके बाद वो लगातार आगे बढ़ती चली गईं। उन्होंने न केवल करियर में तेजी से विकास किया, बल्कि इससे उन्हें गर्व और आत्मनिर्भरता की भावना भी मिली। अंशी ने बताया, ह्यह्यआज मैं कह सकती हूँ कि मैं वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर हूँ। मेरे लिए यह भावना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।ह्लह्लअंशी ने पीबीपार्टनर्स की तारीफ करते हुए बताया कि इसके फीचर्स बहुत अच्छे हैं। इसका ऑन-डिमांड फीचर आय पर नियंत्रण और लचीलापन प्रदान करता है। उन्होंने कहा, ह्यह्यसभी फीचर्स शानदार हैं। लेकिन ऑन-डिमांड पेआउट फीचर तो एक गेमचेंजर है।ह्लह्लउनका सफर बहुत स्मूथ रहा है। वो इसका श्रेय अपने रिलेशनशिप मैनेजर को देती हैं, जिसने उन्हें कभी भी अकेला नहीं छोड़ा। पीबीपार्टनर्स में रिलेशनशिप मैनेजर की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। वो रूटीन सपोर्ट के अलावा क्लेम की प्रोसेसिंग, उत्पाद के चयन और ग्राहक सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंशी को उनके सतत और व्यवहारिक मार्गदर्शन से अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने और बेहतरीन ग्राहक सेवा प्रदान करने में मदद मिली। विशेषज्ञ सहायता सदैव उपलब्ध रहने के कारण वो चुनौतियों को आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ संभाल पाईं।ह्लह्लपीबीपार्टनर्स के साथ अंशी अरोड़ा का सफर प्रदर्शित करता है कि सही प्लेटफॉर्म और सपोर्ट सिस्टम की मदद से किस प्रकार वास्तविक और स्थायी प्रगति की जा सकती है। वित्तीय आत्मनिर्भरता पाने से लेकर आत्मविश्वास से भरपूर और सफल करियर बनाने तक अंशी इस बात की मिसाल पेश करती हैं कि पीबीपार्टनर्स का डिजिटल प्लेटफॉर्म किस प्रकार बीमा प्रोफेशनल्स को वित्तीय और व्यक्तिगत सफलता की ओर ले जा रहा है।

नेचर 9 फाउंडेशन ने आत्मनिर्भर बनाने के लिए 15 महिलाओं को बांटी सिलाई मशीनें

हरियाणावाटिका/प्रवीन कुमार

चंडीगढ़, 14 मई। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही नेचर 9 फाउंडेशन ने बुधवार को एक और सराहनीय कदम उठाया। नेचर 9 फाउंडेशन के प्रधान नीरज सूद और नगर निगम के सीनियर डिप्टी मेयर जसवीर सिंह बंटी की मौजूदगी में सेक्टर 42 के कम्युनिटी सेन्टर में आयोजित एक कार्यक्रम में 15 जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनें भेंट की गईं। वहीं इस दौरान चंडीगढ़ पुलिस के साइबर सेल विभाग सब इंस्पेक्टर जसकिरण कौर और उर्वशी ने महिलाओं को साइबर फ्रॉड से बचाव के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर नेचर 9 फाउंडेशन के अन्य पदाधिकारी प्रेम कौशिक और नेहा गोयल सहित सेक्टर 42 से राजकुमार शर्मा, संदीप गौड़, मनीष कुमार उर्फ मनु व अन्य भी उपस्थित थे।

सीबीएसई परिणाम में छाए नालंदा स्कूल के छात्र, अन्नु ने हासिल किए 97 प्रतिशत अंक

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सतनाली, 14 मई। गत दिवस सीबीएसई द्वारा घोषित किए गए सीनियर सेकेंडरी के परीक्षा परिणाम में खंड के गांव डालनवास स्थित नालंदा विद्या निकेतन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने शत प्रतिशत परिणाम देकर एक बार फिर से विद्यालय की उत्कृष्टता साबित की हैं। जानकारी देते हुए विद्यालय के चेयरमैन विक्रम सिंह लांबा ने बताया कि विद्यालय की कला संकाय की छात्रा अन्नु ने प्रथम

स्थान प्राप्त करते हुए 97 प्रतिशत अंक हासिल किए जबकि छात्रा रीतिका ने 95.8 प्रतिशत अंक हासिल किए। इसी प्रकार विज्ञान संकाय के छात्र अमन ने 95.8% अंक लेकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि विद्यालय के 22 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर कामयाबी का परचम लहराया है। वहीं मैट्रिक के परीक्षा परिणाम में भी विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए शत प्रतिशत परिणाम दिया हैं विद्यालय की छात्रा उपासना व अंजली ने उत्कृष्ट परिणाम दिया है। विद्यालय के संचालक जयसिंह फौगाट व प्रबंधक महाबीर सिंह लांबा ने परीक्षा-परिणाम की प्रशंसा करते हुए सभी बच्चों व अध्यापकों के परिश्रम को एक विशेष उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण व पिछड़े क्षेत्र के सामान्य परिवारों से जुड़े बच्चों द्वारा दिया गया यह परिणाम उत्कृष्ट रहा। विद्यालय के चेयरमैन विक्रम सिंह लांबा ने बताया कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम साल दर साल बढता जा रहा है जो विद्यालय के लिए खुशी की बात है। उन्होंने इस उत्कृष्ट परिणाम पर विद्यार्थियों व अध्यापकों की भूरि-भूरि प्रशंसा की व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के अजीत शेखावत, रमेश बडराई, प्रविद्र भालोठिया, दीपक यादव, सरिता राठौड़, तीर्थ शेखावत, सन्दीप वर्मा, सुनीता लाम्बा, सुरजीत बेदी व विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित था।

जिला में ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध : जिलाधीश

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

करनाल, 14 मई। जिलाधीश एवं डीसी उत्तम सिंह ने वर्तमान स्थिति तथा आम जनता की सुरक्षा के पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जिला में ड्रोन, ड्रॉप्स, ग्लाइडर, रिमोट कंट्रोल्ड एयरक्राफ्ट, फ्लाइंग कैमरा, हवाई कवरेज के लिए हेलीकैम आदि और कम उड़ान वाली वस्तुओं आदि के उपयोग पर आगामी आदेशों तक प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश जिला में कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही अवांछनीय गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से सुरक्षा कारणों के तहत जारी किए हैं।

ढैंचा की बिजाई पर मिलेगा एक हजार प्रति एकड़ अनुदान

जिला में 45 हजार एकड़ का लक्ष्य। पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर मिलेगा लाभ

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 मई। हरियाणा बीज विकास निगम द्वारा ढैंचा का बीज वितरण नहीं किया जाएगा। इस वर्ष किसान किसी भी सरकारी व गैर सरकारी बीज बिक्री केंद्रों से ढैंचा का बीज खरीदकर बिजाई कर सकते हैं। बीज लेते समय किसान ध्यान रखें कि उन्हें बीज का पक्का बिल दुकानदार से लेना है। ढैंचा की बिजाई पर इस वर्ष हरियाणा सरकार द्वारा किसानों को एक हजार रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक डॉ$ सुखदेव सिंह ने बताया कि एक किसान अधिकतम 10 एकड़ ढैंचा बीज की बिजाई पर 10 हजार रुपए तक की अनुदान राशि ले सकता है। इसके लिए किसानों को मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर ढैंचा बीज के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा व दुकानदार से ढैंचा बीज खरीद का पक्का बिल लेने उपरांत बिजाई करके खेत की फोटो जीपीएस लोकेशन सहित पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। तत्पश्चात कृषि विभाग द्वारा किसान के खेत का भौतिक सत्यापन किया जाएगा व सही पाए जाने पर किसान के बैंक खाता में एक हजार रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन/सब्सिडी राशि प्रदान कर दी जाएगी। जिला सिरसा को ढैंचा की बिजाई का 45 हजार एकड़ का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस योजना का लाभ पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किसानों को दिया जाएगा। उन्होंने किसानों से अपील की है कि भूमि की उर्वरा शक्ति की बढ़ोतरी के लिए ज्यादा से ज्यादा स्कीम का लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए किसान अपने खंड कृषि अधिकारी या उप मंडल कृषि अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

पुलिसकर्मियों को दिया ई-डार एप का प्रशिक्षण

रोड एक्सीडेंट की तुरंत, प्रभावी मिलेगी जानकारी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 14 मई। रोड एक्सीडेंट की जानकारी को तुरंत और प्रभावी रूप से सांझा करने के लिए विकसित किए गए एकीकृत डिजिटल प्रणाली ई-डार एप के बारे में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डबवाली में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में एनआईसी के अधिकारियों ने थाना प्रबंधकों, जांच अधिकारियों और पुलिस विभाग के कंप्यूटर ऑपरेटर को इस एप्प और वेब पोर्टल के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

डिस्ट्रिक रोलआउट मैनेजर संजय ने बताया कि इस एप और वेब पोर्टल का उद्देश्य दुर्घटनाओं की जानकारी को त्वरित और पारदर्शी बनाना, सडक दुर्घटनाओं के कारणों का पता लगाना है। इससे सडक दुर्घटना के मुआवजा दावों की प्रक्रिया तेज होने में भी मदद मिलेगी जिससे पीड़ित परिवारों को जल्द राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि दुर्घटना की स्थिति में पुलिस विभाग घटनास्थल पर पहुंचकर मोबाइल ऐप के माध्यम से रिपोर्ट दर्ज करता है। इसमें स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग और लोक निर्माण विभाग/एनएचएआई आदि की भी सक्रिय भूमिका होती है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में एप के माध्यम से पुलिस को दुर्घटना के बारे में किस प्रकार और क्या-क्या विवरण दर्ज करना आवश्यक है, जिसमें फोटो और वीडियो भी शामिल हैं आदि के बारे में जानकारी दी गई है। डीआईओ सिंकदर ने बताया कि एकीकृत सडक दुर्घटना डेटाबेस परियोजना केंद्र सरकार के सडक परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की एक पहल है, जिसका उद्देश्य देश में सडक सुरक्षा में और सुधार करना है।

साले की शादी में पत्नी द्वारा पहले माला पहनाने को लेकर हुए झगड़े के बाद गांव बिडौला निवासी विनोद ने तीन बेटियों के साथ की थी आत्महत्या

बुधवार को चारों के शव पहुंचे गांव बिडौला, हुआ अंतिम संस्कार, गांव में छाया मातम

हरियाणा वाटिका/दीपक माहेश्वरी

तोशाम, 14 मई। साले की शादी में पत्नी द्वारा पहले माला पहनाने को लेकर हुए झगड़े के करीबन एक सप्ताह बाद बिडौला निवासी 43 वर्षीय विनोद ने गत मंगलवार को अपनी ससुराल मध्यप्रदेश के दमौह जिले के मुरहई गांव में 3 बेटियों को जहर देने के बाद खुद ने भी जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। चारों के शव बुधवार को गांव बिडौला में पहुंचे। जिसके बाद उनका दाहसंस्कार किया गया। घटना के बाद से गांव में मातम छाया हुआ है।

मध्यप्रदेश के दमोह के मुरहई गांव में बिडौला निवासी 43 वर्षीय विनोद ने अपने साले की शादी समारोह के बाद 3 बेटियों को जहर खिलाकर खुद भी खा लिया। घटना में चारों की मौत हो गई। गत मंगलवार को वह सुबह बेटियों को बाजार में समोसा खिलाने का कहकर ले गया था। पड़ोस के एक युवक ने उन्हें तालाब किनारे तड़पते देखा तो मृतक ससुराल वालों को सूचना दी। मृतक के ससुराल के लोग जब मौके पर पहुंचे तो वहां चारों बेहोश मिले। गंभीर हालत में उन्हें हटा अस्पताल ले जाया गया।

मृतक विनोद, डेढ़ वर्षीय बेटी महक, पांच वर्षिय खुशी की मौत हो गई थी। बड़ी बेटी 7 वर्षीय खुशबू को गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गय थाा, लेकिन वहां पहुंचने से पहले उन्होंने भी दम तोड़ दिया था। परिवार हरियाणा से यहां शादी समारोह में आया हुआ था।

मृतक विनोद करीबन 14 दिन पहले साल की शादी में गया था। 5 मई को उसके साले की शादी थी। मृतक की पत्नी तीनों बेटियों के साथ 11 अप्रैल को अपने मायके मुहरई गई थी।

साले की शादी में साले को माला पहनाने को लेकर पति पत्नि में कुछ कहासुनी हो गई। जिसके बाद मृतक विनोद गुमसुम रहने लगा। माला की घटना विनोद के दिमाग मे बैठी रही। जिसके बाद गत मंगलवार 13 मई को विनोद ने 3 बेटियों सहित जीवन लीला समाप्त कर ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक विनोद ड्राइवरी करता था। वह दस भाई-बहनों में सबसे छोटा था। करीबन 10 वर्ष पहले उसकी साथी मध्यप्रदेश के मध्यप्रदेश के हटा ब्लॉक के मुहरई गांव की जूली के साथ हुई थी। उसके बाद उसने 3 बेटियों को जन्म दिया।

बुधवार को गांव बिडौला में चारों के शव पहुचें

गांव बिडौला के ग्रामीणों ने बताया कि मौत के बाद मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद बुधवार को उनके शव गांव बिडौला पहुंचे। उसके बाद उनका दाह संस्कार किया गया।

पीएम श्री राजकीय विद्यालय का 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम रहा शानदार, कॉमर्स में 100% सफलता

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 14 मई। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के 12वीं कक्षा के परिणाम में जहां कॉमर्स संकाय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा, वहीं आर्ट्स संकाय का परिणाम भी 99.07 प्रतिशत के साथ अति उत्कृष्ट श्रेणी में स्थापित हुआ। उधर, 92.68 प्रतिशत के परीक्षा परिणाम के साथ विज्ञान संकाय के विद्यार्थी भी कहीं पीछे नहीं रहे। परीक्षा परिणाम पर तमाम जानकारियां साझा करते हुए पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रिंसिपल आचार्य लक्ष्मी प्रसाद शास्त्री ने बताया कि कॉमर्स संकाय में 92 प्रतिशत अंक पाने वाला विद्यालय का छात्र मनप्रीत न केवल अपने संकाय में, अपितु पूरे विद्यालय में अव्वल रहा है।

उधर, आर्ट्स संकाय के विशाल व नाजिया 86 प्रतिशत अंकों के

साथ प्रथम स्थान पर रहे। मेडिकल में 84.8 प्रतिशत अंक पाकर रिया मेहरा तथा नॉन मेडिकल में 81.4 प्रतिशत अंक पाकर संजना ने अपने-अपने संकाय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रिंसिपल ने बताया कि 12वीं के परीक्षा परिणाम में विद्यालय के कुल 42 छात्र- छात्राओं ने मेरिट में स्थान पाया है।

प्रिंसिपल लक्ष्मी प्रसाद शास्त्री ने बच्चों को मिठाई खिला कर उन्हें शुभकामनाएं दी।

प्रिंसिपल ने कहा कि स्कूल के साथ-साथ अपने मां-बाप का नाम रोशन करने वाले मेधावी बच्चे भविष्य में भी अच्छी शिक्षा ग्रहण कर उच्च पदों पर पहुंचें, यही उनकी मंगल कामना है। इस अवसर पर सुजाता गीता, मुकेश शर्मा, संजय, आंचल, कविता, हरदीप एवं रमेश चंद्र आदि अध्यापक प्राध्यापक मौजूद थे।

राधा कृष्ण पब्लिक स्कूल का 10वीं व 12वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम रहा शानदार

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 14 मई। राधा कृष्ण पब्लिक स्कूल ठोल में 10वीं एवं 12वीं कक्षा का वार्षिक परीक्षा परिणाम शानदार रहा। स्कूल के चेयरमैन राजेश लांबा ने बताया के दोनों कक्षाओं का परिणाम शत प्रतिशत रहा है। जिससे स्कूल में खुशी का माहौल बना हुआ है। उन्होंने बताया कि कक्षा 12वीं में विद्यालय के 40 प्रतिशत छात्रों ने मेरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त किया।

कॉमर्स स्ट्रीम की छात्रा संजना ने सभी कॉमर्स स्ट्रीम के विषयों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किए और विद्यालय की टॉपर बनीं। वहीं कक्षा 10वीं के छात्र आदित्य ने सभी विषयों में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर सचिव कुलविंदर सिंह, प्रबंधक जसविंदर सिंह, प्रधानाचार्य टीना चौहान जी आदि मौजूद रहे।

आदर्श विद्यालय कैरू के विद्यार्थियों ने 12वीं के परीक्षा परिणाम में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए छुआ नया शिखर

हरियाणा वाटिका/दीपक माहेश्वरी

तोशाम, 14 मई। मंगलवार को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा घोषित कक्षा बारहवीं के परीक्षा परिणाम में आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कैरू के विद्यार्थियों ने असीम सफलता प्राप्त की व पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए एक नये शिखर को छूआ। कॉमर्स संकाय की छात्रा अपसाना इंदीवाली ने राज्य स्तर पर 500 में से 493 अंकों के साथ चौथा स्थान व जिले में प्रथम स्थान व साईंस संकाय से छात्र निपुण जांगड़ा कैरू ने 500 में से 488 अंक प्राप्त कर राज्य स्तर पर छठा स्थान प्राप्त कर पूरे प्रदेश भर का नाम रोशन किया। इसके अलावा लक्ष्मीबाई लेघां व सोनिका देवराला 482, करीना कैरू व निक्की चंदावास 479, रीना कैरू 477, प्रिया कैरू 474, भारती कैरू 472, दीपिका जुई 472, लक्ष्मी चावला कैरू ने 470 अंक अर्जित किए। जिससे क्षेत्र के आस-पास के गाँवों में खुशी का माहौल बना हुआ है। खुशी के इस आलम पर इन मेधावी छात्र-छात्रा को आदर्श ग्रुप ऑफ एजुकेशन इंस्टिट्यूट के चेयरमैन आरके बंगालिया, जिला पार्षद प्रतिनिधि लाला पनिहार, कैरू क के सरपंच सुंदरपाल, कैरू ख के सरपंच प्रतिनिधि सुभाष रंगा, बीडीसी प्रतिनिधि राजेश रंगा व समाजसेवक मनोज प्रधान ने फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय चेयरमैन ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया और मेधावी विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को शुभकामनाएँ देते हुए बताया कि यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बच्चों की अविराम मेहनत, लगनशीलता और अनुशासन का फल है। परीक्षा परिणाम को लेकर विद्यालय के प्राचार्य एसएन पालीवाल ने बताया कि विद्यालय से कुल 62 विद्यार्थियों ने स्टेट मैरिट प्राप्त की जिनमें से 08 विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत, 29 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत तथा शेष विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर सफलता का परचम लहराया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी अध्यापक-अध्यापिकाओं ने इन मेधावी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राजकीय विद्यालय पिंजोखरा के विद्यार्थियों को दिए करियर मार्गदर्शन के सुझाव

हरियाणा वाटिका/दीपक माहेश्वरी

तोशाम, 14 मई। मुख्यमंत्री नायाब सैनी ने बजट में घोषणा की थी की आईटीआई में कार्यरत एंप्लॉयबिलिट स्किल इंस्ट्रक्टर राजकीय विद्यालयो में जाकर बच्चों को करियर काउंसिल करेंगे। उनके दिशा निर्देशों की पालना करते हुए बुधवार को राजकीय उच्च विद्यालय पिंजोखरा में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आईटीआई तोशाम के एंप्लॉयबिलिट स्किल इंस्ट्रक्टर प्रमोद घनघस ने विद्यार्थियों को रोजगार योग्य कौशल और करियर योजना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

इस दौरान घनघस ने विद्यार्थियों को बताया कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल शैक्षणिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि संवाद कौशल, समय प्रबंधन, टीम वर्क और तकनीकी दक्षता जैसे गुण भी आवश्यक हैं। उन्होंने छात्रों को आत्म-विश्वास बढ़ाने, लक्ष्य निर्धारण और सतत प्रयासों पर बल दिया।

श्री कृष्ण संग्रहालय में आयोजित होंगे दो दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 14 मई। हर वर्ष 18 मई को अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस समस्त विश्व में मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय परिषद द्वारा हर वर्ष एक विषय के तहत संग्रहालयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष परिषद द्वारा त्वरित गति से बदलते समुदायों में संग्रहालयों का भविष्य थीम दिया गया है जो कि सामाजिक, तकनीकी और पर्यावरणीय परिवर्तनों के संदर्भ में संग्रहालयों की भूमिका को रेखांकित करता है। संग्रहालय के कॉर्डिनेटर राजेन्द्र सिंह राणा ने बताया कि इस अवसर पर श्रीकृष्ण संग्रहालय कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड तथा पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में 17 व 18 मई को दो दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम श्रीकृष्ण संग्रहालय कुरुक्षेत्र में आयोजित किए किए जा रहे हैं। 17 मई को प्रातः 9:30 बजे से 11:30 बजे तक संग्रहालय में श्रीकृष्ण संग्रहालय की पुरातात्विक विरासत पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिसमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र भाग ले सकेंगे। प्रत्येक स्कूल से अधिकतम पाँच छात्रों की सहभागिता की अनुमति है। विजेताओं को उसी दिन मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस पोस्टर प्रतियोगिता हेतु विद्यार्थियों को अपने स्कूल से अनुमति.पत्र साथ लाना होगा। 18 मई को प्रातः 10 से 11बजे तक आपन क्विज कंपीटीशन, खुली प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगा। जिसका विषय भारत की मूर्त विरासत होगा जिसमें सभी आयु वर्ग के व्यक्ति एवं स्कूली विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। इस प्रतियोगिता के लिए किसी भी प्रकार के पंजीकरण की आवश्यकता नही है। संग्रहालय प्रभारी बलवान सिंह ने बताया कि उपरोक्त कार्यक्रमों के माध्यम से श्रीकृष्ण संग्रहालय का उद्देश्य नागरिकों में भारतीय सांस्कृतिक धरोहरों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है।

कुवि कुलसचिव ने किया गर्ल्स हास्टल में देवयानी भवन का निरीक्षण

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 14 मई। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल ने बुधवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के गर्ल्स हास्टल में देवयानी भवन में निरीक्षण किया व हॉस्टल में छात्राओं के साथ बैठकर दोपहर का लंच भी किया। इस अवसर पर उनके साथ चीफ वार्डन प्रो. कुसुमलता तथा वार्डन डॉ. अनीता चौधरी भी मौजूद थे। कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के निदेशार्नुसार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास के साथ-साथ उनको हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। गर्ल्स हॉस्टल में कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल ने छात्राओं से बातचीत की व खाने की गुणवत्ता की भी जांच की। उन्होंने छात्राओं को हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करवाने व किसी भी प्रकार की समस्या आने पर उसके समाधान का आश्वासन दिया।

संपादक की कलम से

कश्मीर : अमेरिकी दबाव के सामने मोदी खामोश

कश्मीर पर पाकिस्तान का मान जाना कोई खास बात नहीं है। लेकिन भारत अगर मध्यस्थता स्वीकार कर लेता है तो यह बहुत बड़ी बात होगी। अभी तक कि स्वतंत्र विदेश नीति के बिल्कुल उलट। भारतीय हितों के विपरीत। भारत की संसद के दोनो सदनों ने 22 फरवरी 1994 को सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पास किया था कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है।

क्या प्रधानमंत्री मोदी युद्धविराम की तरह कश्मीर पर भी किसी समझौते को मान जाएंगे? बहुत बड़ा सवाल!

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दूसरा ट्वीट बहुत खतरनाक है। इसमें वे स्पष्ट रूप से कश्मीर के मामले में मध्यस्थता की बात कर रहे हैं। भारत हमेशा कहता रहा है कि यह द्विपक्षीय मसला है और भारत किसी तीसरे को इसमें शामिल नहीं करेगा। शिमला समझौता में यह सबसे अहम बात है। उसके बाद कई बार पाकिस्तान ने कभी संयुक्त राष्ट्र, कभी अमेरिका, कभी चीन के जरिए मध्यस्थता करवाने की कोशिश की मगर भारत ने कभी स्वीकार नहीं किया।

इन्दिरा गांधी जिन्हें अभी अमेरिका द्वारा घोषित युद्धविराम के बाद देश में सबसे ज्यादा याद किया जा रहा है उन्होंने 1971 का युद्ध जीतने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भुट्टो को शिमला बुलाकर यह समझौता किया था। और उसमें लिखवाया था कि कश्मीर का मुद्दा दोनों देश मिलकर सुलझाएंगे। तीसरे किसी का दखल नहीं होगा।

लेकिन पहले युद्धविराम की अप्रत्याशित घोषणा और अब उसके बाद कश्मीर समस्या सुलझाने का दावा बता रहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप का दबाव काम कर गया है। पाकिस्तान का उसमें आना कोई खास बात नहीं। उसके पास क्या है? 75 साल में उसने क्या हासिल किया? आज चीन उसके साथ था और वह भी उसके नहीं भारत से दुश्मनी की वजह से और अमेरिका उसे टूटने नहीं देना चाहता था इसलिए उसने युद्ध विराम करवाकर उसे बचा लिया, नहीं तो पाकिस्तान कितने दिन और भारत से लड़ पाता?

वहां के शासक इसे समझते हैं। लेकिन अपने देश की जनता को उलझाए रखने के लिए युद्ध विराम के बाद भी गोलाबारी, ड्रोन अटैक करते रहे। केवल यह बताने के लिए कि हम लड़ सकते हैं। और ठीक यही बात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अपने देश को संबोधित करते हुए कही। झूठी शान बताते हुए कि-हमारे सेना ने यह कर दिया वह कर दिया वे केवल जंग का महिमामंडन करते रहे। जैसे युद्ध जिन्दगी के लिए सबसे जरूरी चीज है। इसी तरह की जज्बाती बातों ने पाकिस्तान की अवाम को 75 साल से उलझाए रखा है। और वे ऐसे ही रहें इसमें पाकिस्तान के नेताओं का दोष तो है ही चीन और अमेरिका भी यही चाहता है।

पाकिस्तान की जनता को देखना होगा कि चीन और अमेरिका जो उसके दोस्त हैं कितनी तरक्की कर चुके हैं और उनका मुल्क वहीं का वहीं है। भारत के साथ आजाद हुआ था। भारत हर क्षेत्र में कहीं से कहीं निकल गया लेकिन पाकिस्तान अभी भी कर्जा लेकर अपने खर्चे चलाने पर मजबूर है। अभी आईएमएफ से 12 हजार करोड़ रुपए अमेरिका ने दिलवाए।

इसलिए कश्मीर पर पाकिस्तान का मान जाना कोई खास बात नहीं है। लेकिन भारत अगर मध्यस्थता स्वीकार कर लेता है तो यह बहुत बड़ी बात होगी। अभी तक कि स्वतंत्र विदेश नीति के बिल्कुल उलट। भारतीय हितों के विपरीत। भारत की संसद के दोनो सदनों ने 22 फरवरी 1994 को सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पास किया था कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। और जिस हिस्से पर पाकिस्तान ने कब्जा कर रखा है वह भी। याद रहे यह प्रस्ताव उस समय की कांग्रेस सरकार ने उस समय पास करवाया था जब जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा चलाए जा रहे आतंकवाद का सबसे भीषण समय था। पाकिस्तान एक तरफ कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियां चला रहा था दूसरी तरफ दुनिया में यह झूठा प्रचार कर रहा था कि भारत दिल्ली में बैठकर कश्मीरियों पर शासन कर रहा है।

जबकि हकीकत यह थी कि पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के कारण वहां चुनाव नहीं हो पा रहे थे। मगर भारत वहां राजनीतिक प्रक्रिया चला कर चुनाव का माहौल तैयार कर रहा था। ऐसे समय में अन्तरराष्ट्रीय जगत को सही स्थिति बताने के लिए केन्द्र सरकार ने अपना एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र भेजा। और जानते हैं उसका नेता किस को बनाया। विपक्ष के नेता को।

क्यों? ताकि यह संदेश जाए कि पूरा भारत कश्मीर के मामले में एक है।

खुला आसमान

जीवन में उड़ान भरने की नहीं रोक-टोक,
विस्तृत है विषय नहीं कोई नोक झोंक,
नहीं डगर आसान जितना सोचते,
प्रलोभन जगह-जगह भ्रमित हो रोकते,
हो जीवन में उमंग आगे बढ़ने का संग,
सीखने पड़ेंगे अग्रणी होने के ढंग,
पग- पग पर है आदान-प्रदान,
भर लो उड़ान खुला है आसमान।
नित नये होते अनुसंधान,
कोई अनभिज्ञ किसी को भान,
अथाह हैं रहस्य खुल रही परतें,
छोड़ें करना दोहन सही से भरतें,
उत्पन्न हुई भ्रांतियां का होता समाधान,
सही विस्तृत सोच का होता सम्मान,
मुट्ठी में भर दुनिया को अर्जित किया ज्ञान,
भर लो उड़ान खुला है आसमान।
खुले आसमान में स्थापित उच्च तकनीक,
तरंगों से पाया अनुभव बारीक,
भरकर उड़ान बादलों में तैरता,
वातानुकूलित कमरों में कुर्सी पर बैठता,
दूसरे ग्रहों में जाकर कर रहा छानबीन,
वो भी समय आएगा होंगे उसके अधीन,
मिल गई है मानव को जादू भरी खान,
भर लो उड़ान खुला है आसमान।
उत्पन्न होते इस दुनिया में कई अन्वेषक,
रुके हुए काम के वे हैं विश्लेषक,
नई तकनीक ने सबके लिए रास्ते खोले,
बड़े-बड़े विद्वानों ने बोल उसके बोले,
हर खोज से दूसरे को होता है लाभ,
अनुसंधानकर्ता के बढ़ते हैं भाव,
खुलती हैं परते जिससे अनजान
भर लो उड़ान खुला है आसमान।

डॉ. विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़।

शानदार जीत से भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति बना

ललित गर्ग

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने बड़ा ऐलान करते हुए सीज फायर लागू किया। चार दिन चले सैन्य संघर्ष में परिस्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हो गई थीं एवं पाकिस्तान की भारी तबाही हुई। दोनों परमाणु सम्पन्न देशों के बीच के बढ़ते तनाव के बीच समझौते के बाद भले ही पाकिस्तान के विनाश का सिलसिला थम गया हो, लेकिन उसकी एक भूल भारी का सबब बन सकता है। क्योंकि भारत ने यह बड़ा फैसले लेते हुए कहा था कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसकी गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान की फितरत को देखते हुए भारत सरकार एवं भारतीय सेना अधिक चौकस, सावधान एवं सतर्क रहते हुए संघर्ष-विराम के लिये यदि सहमत हुई है तो उसका स्वागत होना चाहिए। जब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाकर कड़ा संदेश दे दिया तो संघर्ष विराम को एक समझदारी भरा फैसला ही माना जायेगा। यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर, विनाशकारी एवं विध्वसंक होगा। शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

पाकिस्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तों पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बडप्पन है, उसकी बड़ी सोच का ही परिचायक है और भारत की कूटनीतिक जीत है। एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाई गयी है। दुनिया ने भी भारत की सैन्य पराक्रम एवं स्वदेशी हथियारों की ताकत को देखा और समझा है। एक बानगी भर में जब पाकिस्तान ने पुंछ और राजौरी समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया तो जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने भी पाकिस्तानी सेना के कई महत्वपूर्ण अड्डों को तबाह कर दिया। सेना ने रावलपिंडी समेत पाक सेना के 4 एयरबेस नष्ट कर दिए। पाकिस्तान की फतेह मिसाइल को हवा में ही खत्म कर दिया गया। लाहोर एवं करांची सहित पाकिस्तान में अनेक स्थानों पर भारी तबाही से सहम गये पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये। भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम की धज्जियां उड़ाकर जिस तरह उसके प्रमुख एयरबेस ध्वस्त किए, उसके बाद उसके सामने और अधिक तबाही एवं शर्मिंदगी झेलने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था।

यह ठीक है कि सैन्य टकराव रोकने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की, लेकिन इसका मूल कारण तो भारत का यह संकल्प रहा कि इस बार पाकिस्तान को छोड़ना नहीं है। भारत ने संघर्ष विराम केवल सैन्य टकराव रोकने तक सीमित रखकर कूटनीति एवं राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है। भारत ने पाकिस्तान को सही रास्ते पर लाने के लिए उसके खिलाफ सिंधु जल समझौते स्थगित करने जैसे जो कठोर फैसले लिए, वे यथावत रहेंगे। ये रहने भी चाहिए, क्योंकि धोखा देना एवं अपनी बात से बदलना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। इस पर यकीन के साथ कुछ कहना कठिन है कि अब वह भारत में आतंक फैलाने से बाज आएगा। उसने और खासकर उसकी सेना ने भारत के प्रति जो नफरत पाल रखी है, उसके दूर होने में संदेह है। भारतीय नेतृत्व को पाकिस्तान के प्रति अपने संदेह से तब तक मुक्त नहीं होना चाहिए, जब तक वह आतंक से तौबा नहीं करता और कश्मीर राग अलापना बंद नहीं करता।

सीजफायर की कहानी 9-10 मई की रात से शुरू होती है, जब पाकिस्तान पर करारा पलटवार करते हुए भारतीय वायुसेना ने पाक सैन्य ठिकानों पर ब्रह्मोस-ए क्रूज मिसाइल दाग दी। इस दौरान रावलपिंडी के नूरखान, चकलाला और पंजाब के सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया। यह हमला रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के बेहद करीब हुआ। इसके बाद पीओके में जकोबाबाद, भोलारी और स्कार्दू एयरबेस को भी तबाह किया गया। भारत के द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले से बौखलाए पाक को अगला निशाना उनके परमाणु कमांड और कंट्रोल इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने का डर सताने लगा। ऐसे में पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी। अमेरिका पहले से दोनों देशों के संपर्क में था। मगर, परमाणु की बात सुनकर अमेरिका भी हड़बड़ी में आ गया।

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ह्यऑपरेशन-सिंदूरह्ण की कामयाबी से बौखलाए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज फायर पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा।

पाकिस्तान का यह आरोप बेबुनियाद है कि तनाव की शुरूआत भारत ने की। भारत ने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों को अभी तक निशाना नहीं बनाया है। दरअसल, आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान लंबे अरसे से दुनिया को गुमराह करता आया है। ताजा मामले में भी वह झूठ फैला रहा है कि भारत की स्ट्राइक उसके धार्मिक स्थलों पर हुई और इसमें आतंकी नहीं, आम नागरिक मारे गए हैं। यह झूठ दरअसल उसी साजिश का हिस्सा है, जिसके तहत आतंकियों ने टारगेटेड किलिंग करके भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाने का प्रयास किया था। सच्चाई तो यह है कि धर्म को आतंक से पाकिस्तान ने जोड़ा है। आतंकवादियों को पालना-पोसना और उनके जरिये छद्म युद्ध लड़ना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है, लेकिन इस बार वह जिस तरह आम लोगों का इस्तेमाल ढाल की तरह कर रहा है, वह निंदनीय एवं शर्मनाक होने के साथ-साथ चिंताजनक भी है। इससे उसकी हताशा झलकती है।

भारत का मकसद आतंकवाद का खात्मा है, युद्ध नहीं है। प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है।

युद्ध : विनाश का वैश्विक व्यापार

- विवेकानंद माथने

हर युद्ध की सबसे बड़ी कीमत आम आदमी चुकाता है। जान-माल के नुकसान के साथ-साथ आम जीवन की बुनियादी जरूरतें और सामाजिक प्रगति भी बुरी तरह प्रभावित होती है। सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबी-उन्मूलन जैसे जनकल्याणकारी क्षेत्रों के बजट में कटौती कर रक्षा खर्च बढ़ा देती हैं, जिससे आम जनता का जीवन और भी कठिन हो जाता है। युद्ध मानव सभ्यता के इतिहास का एक दुखद, लेकिन महत्वपूर्ण अध्याय रहा है। प्राचीन काल से लेकर आज तक, भले ही युद्धों के स्वरूप बदलते रहे हों, परंतु उनके मूल कारण आज भी वही हैं-सत्ता की लिप्सा, प्रभुत्व की चाह और संकुचित राष्ट्रवाद। महाभारत का महासंग्राम हो या प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध, हर संघर्ष के बाद शेष रह जाती हैं, केवल लाशें, उजड़े नगर, बिखरे सपने और मानवता की हार। विडंबना यह है कि आज जब विज्ञान और तकनीक नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुकी है, तब भी दुनिया युद्ध के उन्माद से ग्रस्त है, संकुचित राष्ट्रवाद का ज्वर चढ़ा है, हर देश दूसरे को आंखें दिखा रहा है, मानो एक-दूसरे के खून का प्यासा हो। परिस्थितियां धीरे-धीरे तीसरे विश्वयुद्ध की ओर बढ़ रही हैं।

यूक्रेन, जो कभी सोवियत संघ का हिस्सा था, अब 'नार्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन' (नाटो) से जुड़ना चाहता है। 'नाटो' ने रूस को घेरने की मंशा से यूक्रेन का समर्थन किया और यह टकराव युद्ध में बदल गया। यह संघर्ष तीन साल से जारी है। यूक्रे न के शहर खंडहरों में तब्दील हो गए हैं और बुनियादी ढांचे ध्वस्त हो गए हैं। अब तक दोनों पक्षों के कुल 1.90 लाख से अधिक सैनिक मारे गए और 2.80 लाख से अधिक घायल हुए हैं। यूक्रेन की 1.43 करोड़ आबादी विस्थापित हो चुकी है, जिनमें से 65 लाख से अधिक शरणार्थी बनकर विदेश चले गए हैं और शेष अपने ही देश में दर-दर भटक रहे हैं। यूक्रेन की अर्थव्यवस्था चरमरा चुकी है, वहीं पश्चिमी प्रतिबंधों के चलते रूस की अर्थव्यवस्था भी गंभीर दबाव में है।

'हमास' के हमले और नागरिकों को बंधक बनाए जाने के जवाब में इजराइल ने गाजा पर भीषण हमला किया। इस बदले की आग में हजारों निर्दोष लोगों की जानें गईं और लाखों घायल हुए, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। गाजा के करीब 19 लाख लोग विस्थापित हो चुके है, 70प्रतिशत से अधिक आवास नष्ट हो चुके हैं और अस्पताल, स्कूल, पानी और बिजली व्यवस्था का लगभग 90प्रतिशत ढांचा पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। भोजन और पानी जैसी बुनियादी जरूरतों का भी गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।सूडान में 2023 से सेना और 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' (आरएसएफ) के बीच जारी संघर्ष में 61,000 से अधिक लोग मारे गए और 1.2 करोड़ विस्थापित हुए हैं। म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद गृहयुद्ध छिड़ा, जिसने लाखों को शरणार्थी बना दिया।

यमन में 2014 से जारी युद्ध ने 68प्रतिशत आबादी को मानवीय सहायता पर निर्भर कर दिया। इथियोपिया में 'टिग्रे संघर्ष' ने हजारों की जान ली और लाखों को भुखमरी की कगार पर पहुंचा दिया। इराक, लेबनान और अफगानिस्तान के जख्म आज भी हरे हैं। हर युद्ध की सबसे बड़ी कीमत आम आदमी चुकाता है। जान-माल के नुकसान के साथ-साथ आम जीवन की बुनियादी जरूरतें और सामाजिक प्रगति भी बुरी तरह प्रभावित होती है। सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबी-उन्मूलन जैसे जनकल्याणकारी क्षेत्रों के बजट में कटौती कर रक्षा खर्च बढ़ा देती हैं, जिससे आम जनता का जीवन और भी कठिन हो जाता है।

भूख, बेरोजगारी और असमानता बढ़ती है। युद्ध का अंजाम केवल विनाश होता है, फिर भी युद्ध क्यों जारी रहते हैं? इसे क्यों नहीं रोका जाता? आखिर कौन हैं वे, जो युद्ध से लाभ उठा रहे हैं? दरअसल, युद्ध केवल दो देशों के बीच का संघर्ष नहीं होता, यह एक सुनियोजित योजना का हिस्सा होता है, जिसमें कुछ ताकतें पर्दे के पीछे से भारी लाभ कमाती हैं।

युद्धविराम का असली खेल

पिछले बुधवार को शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश में एक नया जोश और उम्मीद जागी थी कि अब आतंकवाद के पीड़ितों को इंसाफ मिलेगा और पहलगाम हमले का करारा जवाब पाकिस्तान को दिया जाएगा। इस ऑपरेशन के बाद सरकार की तरफ से यही कहा भी गया कि न्याय कर दिया गया। लेकिन फिर पाकिस्तान की तरफ से आक्रमण शुरू हुए, उनका भी माकूल जवाब भारतीय सेना ने दिया। हालांकि इनमें सीमा पर बसे नागरिकों को जान-माल का काफी नुकसान हुआ, लेकिन देशभक्ति और राष्ट्रवाद के नाम पर इन पर सरकार से सवाल करना गुनाह मान लिया गया। इस बीच शनिवार शाम को अचानक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खबर दी कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान दोनों पक्षों से लंबी चर्चा की है और उनकी मध्यस्थता के कारण अब युद्धविराम हो गया है। युद्ध खत्म होगा, इस बात पर राहत तो महसूस हुई, लेकिन यह राहत क्षणिक ही थी क्योंकि कुछ ही देर में पाकिस्तान की तरफ से हमले फिर शुरू हो गए। और फिर शनिवार देर रात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अपने राष्ट्र को संबोधित करते हुए बताया कि उनकी ऐतिहासिक जीत हुई है। यह झटका काफी नहीं था कि रविवार सुबह डोनाल्ड ट्रंप का एक और ट्वीट आ गया, जिसमें ट्रंप ने दावा किया कि अब वह हजारों सालों से चले आ रहे कश्मीर विवाद को भी सुलझाने में मदद करेंगे।

देश ने पहले भी पांच युद्ध देखे हैं, कई बड़े आतंकी हमलों के जख्म खाए हैं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के खिलाफ हुई साजिशों को झेला है, लेकिन शनिवार से लेकर रविवार तक जितने झटके देश को मिले, ऐसा शायद कभी नहीं हुआ। इनमें सबसे अधिक दुख की बात यह रही कि इतना कुछ होता रहा और नरेन्द्र मोदी का एक लाइन का ट्वीट, एक वाक्य का राष्ट्र के नाम संबोधन सुनाई नहीं दिया। कम से कम रविवार शाम साढ़े छह बजे तक तो यही स्थिति थी।

देश में अब तक जो नहीं हुआ, वो नरेन्द्र मोदी ने मुमकिन कर दिखाया। श्री मोदी ने देश की संप्रभुता को दांव पर लगाते हुए अमेरिका को हमारे मामले में दखलंदाजी की अनुमति दे दी। जिस अंदाज में ट्रंप ने सीजफायर को लेकर दावे किए उससे तो यही लगता है। भारत शांतिप्रिय देश है, बावजूद इसके भारत 1947, 1962, 1965, 1971, और 1999 पांच बार युद्ध का हिस्सा बना। इसमें 62 के चीन के आक्रमण में भारत को हार मिली, लेकिन बाकी सारे युद्ध जो पाकिस्तान के साथ लड़े गए, उसमें हमें जीत हासिल हुई। भारत ने यह हमेशा सुनिश्चित किया कि कोई तीसरा देश हमारे मामले में दखलंदाजी न करे। लेकिन इस समय 2025 में पाकिस्तान के साथ जो युद्ध की स्थिति बनी, उसमें पहले तो ऑपरेशन सिंदूर चला कर नरेन्द्र मोदी ने यह बताया कि उनकी सरकार पहले की नीतियों पर ही चलेगी और हमले पर जवाबी कार्रवाई करेगी। लेकिन सात मई को हुए आपरेशन सिंदूर में मिली सफलता के महज 3 दिन बाद ही ट्रंप ने 10 मई की शाम को अचानक दुनिया को संदेश दिया कि उनकी मध्यस्थता के कारण दोनों देश युद्धविराम पर सहमत हुए हैं।

महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल ने मातृ दिवस धूमधाम से मनाया

बिंदी लगाओ और गुब्बारा फोड़ो प्रतियोगिता फूटे हंसी के फब्बारे

हरियाणा वाटिका/अमूल्या चंडीगढ़, 14 मई। महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल, एमडीएवी भवन दरिया, चंडीगढ़ ने श्रीमती सकिंद्रा देवी मेमोरियल मल्टीमीडिया हाल में मातृ दिवस धूमधाम से मनाया। नर्सरी से सेकंड क्लास के स्टूडेंट की मदर्स को स्कूल में आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम को मनोरंजन एवं महत्वपूर्ण बनाने के लिए फन गेम्स का भी प्रबंध किया गया। बिंदी लगाओ प्रतियोगिता के अंतर्गत माताओं को एक दिए गए चित्र पर बिंदी लगाने के लिए स्टेज पर बुलाया गया। माहौल काफी खुशनुमा था। उनके आंखों पर चुनरी बांधी गई और दिए गए चित्र पर माथे पर बिंदी लगाने को कहा। यह प्रतियोगिता मनोरंजन होने के साथ-साथ सबके चेहरों पर मुस्कान लाने वाली थी। चुनरी बंधी होने के कारण बिंदी को सही स्थान पर लगाना मुश्किल कार्य था। उचित जगह पर बिंदी लगाने के लिए शायदा को विद्यालय की ओर से पुरस्कृत किया गया। गुब्बारा फोड़ो प्रतियोगिता में भी हंसी के फब्बारे फूट रहे थे। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत अपने बैलून को बचाना और दूसरे के बैलून को फोड़ना था। इस प्रतियोगिता ने हर किसी को आकर्षित किया। बैलून फोड़ने की अंतिम दौर में ज्योति को प्रथम स्थान मिला। उन्हें भी विद्यालय की ओर से सम्मानित किया गया। बच्चों ने अपनी मदर्स के लिए गीत गाये और मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के समापन पर सभी को रिफ्रेशमेंट भी दी गई।

श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर आयुर्टेक सेमिनार आज

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 14 मई। श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में 15 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर आयुर्टेक इनोवेशन इन आयुर्वेदिक टेक्नोलॉजी विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। यह आयोजन आधुनिक तकनीक और पारंपरिक आयुर्वेद के समन्वय को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) कुरुक्षेत्र के निदेशक प्रो. बी. वी. रमना रेड्डी बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। वहीं, हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से डॉ. राहुल तनेजा और केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) नई दिल्ली से डॉ.हेमंत पाणिग्रही, डॉ. राकेश नारायण एवं डॉ. बबीता यादव विशेषज्ञ वक्ता के रूप में अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान के प्राचार्य प्रो. वैद्य देवेंद्र खुराना ने आयोजन कमेटी की मीटिंग लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

कुरुक्षेत्र मॉडल स्कूल के बच्चे छाए

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 14 मई। सी.बी.एस.ई. द्वारा घोषित किए गए कक्षा 10 तथा 12 परीक्षा परिणामों के तहत कुरुक्षेत्र मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने बेहतरीन अंक अर्जित किए। कुरुक्षेत्र मॉडल पब्लिक स्कूल का रिजल्ट 100 प्रतिशत रहा। स्कूल विद्यार्थी आदित ने स्कूल में टॉप किया है और 92 प्रतिशत मार्क्स लिए हैं। इन बच्चों ने अपने माता-पिता के नाम के साथ-साथ स्कूल कुरुक्षेत्र मॉडल पब्लिक स्कूल का नाम रोशन किया है। स्कूल संचालिका निशि गुप्ता ने कहा कि स्कूल स्टाफ और बच्चो की मेहनत रंग लायी बच्चो ने जहाँ अपने अभिवावकों का सर ऊँचा किया वही स्कूल का नाम भी रोशन किया है।

यूएसएफ कुरुक्षेत्र की शालीनियों को उत्कर्ष प्रदर्शन पर किया सम्मानित

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 14 मई। यूएसएफ कुरुक्षेत्र केंद्र में बैच-18 की एचबीएसई 12वीं कक्षा के उत्कृष्ट परिणामों का उल्लासपूर्वक उत्सव मनाया गया। इस वर्ष कुल 30 शालिनियों में से 29 ने शानदार प्रदर्शन किया, जिनमें 19 शालिनियों ने 80% से अधिक अंक प्राप्त किए। तीनों संकायों में शालिनियों ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। आर्ट्स स्ट्रीम से शिवानी ने 93% अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया, साइंस स्ट्रीम से पलक चहल ने 93.2% अंक अर्जित किए और कॉमर्स स्ट्रीम से नैन्सी ने 92.8% अंकों के साथ संकाय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। सलोनी ने गृह विज्ञान में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए व विद्यालय में तृतीय पोजीशन प्राप्त की। एक शालिनी पारिवारिक परिस्थितियों के चलते परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सकी, लेकिन संस्था द्वारा उन्हें भविष्य में हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया गया है। इस अवसर पर सभी शालिनी यूएसएफ केंद्र में एकत्रित हुईं, जहाँ संयोजिका डॉ. सुषमा शर्मा और सह-संयोजक डॉ. राम निवास ने शालिनियों को उनकी इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें आगे की पढ़ाई और करियर संबंधी दिशा में मार्गदर्शन भी प्रदान किया। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में मिठाइयाँ वितरित की गईं और सभी ने मिलकर इस सफलता का जश्न मनाया। यूएसएफ कुरुक्षेत्र की ओर से सभी शालिनियों को प्रशंसा स्वरूप पानी की बोतलें भेंट की गईं। संस्था ने सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं और यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में भी उन्हें करियर के हर मोड़ पर उचित मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया जाएगा।

सेंट जेवियर्स स्कूल की छात्रा हिमांशी ने प्राप्त किए 94.4 फीसदी अंक

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 14 मई। सीबीएसई द्वारा घोषित किए गए कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में सेंट जेवियर्स स्कूल की कक्षा 10वीं की छात्रा हिमांशी ने 94.4 फीसदी अंक लेकर स्कूल में टॉप किया है। परीक्षा का परिणाम शत प्रतिशत रहा। दुसरे स्थान पर 94.2 फीसदी अंक के साथ सिमरन व तीसरे स्थान पर 93.2 फीसदी अंक के साथ अनुराग रहे। इस सफलता के लिए स्कूल प्रबंधक मनीष सिंह, स्कूल निर्देशिका कीर्ति चौहान व प्राचार्या ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई दी है। कक्षा में मुकुल, प्रांशु व शिवम ने 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए। कक्षा 12वीं कॉमर्स में छात्रा जिया ने 93.2 फीसदी अंक लेकर स्कूल में टॉप किया। 12वीं कला संकाय में छात्रा प्रिशा ने 90.2 फीसदी अंक प्राप्त कर स्कूल में टॉप किया। विज्ञान संकाय में निशांत ने 86.2 फीसदी अंक प्राप्त कर स्कूल में टॉप किया। अदिति ने 91.8 फीसदी अंक प्राप्त किए। स्कूल के छात्र भूमिका, गौरव, रेश्मा, अभिनव, मौक्ष, तमन्ना, आदित्य, श्रेयांशु, कीर्तन, मानसी, लक्ष्य, मोहित व नेहा ने 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। स्कूल प्रबंधक मनीष सिंह व निर्देशिका कीर्ति चौहान ने कहा कि परीक्षा परिणाम वाला दिन एक महत्वपूर्ण दिन होता है। यह दिन न केवल आपके द्वारा अर्जित अंकों का प्रतीक है बल्कि आपके द्वारा दिखाई गई मेहनत और लगन का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वे अपने सभी शिक्षकों को उनके मार्गदर्शन और समर्पण के लिए धन्यवाद करते हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि उनके पास हर लक्ष्य को प्राप्त करने की क्षमता है।

आपरेशन सिंदूर भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और समर्पण की विजय गाथा: प्रो. सचदेवा

आपरेशन सिंदूर की जीत को लेकर केयू में विद्यार्थियों ने निकाली विजय तिरंगा यात्रा

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 14 मई। आप्रेशन सिंदूर भारतीय सेना के शौर्य, साहस, पराक्रम और समर्पण की विजय गाथा है। भारतीय सेनाओं ने वैश्विक मंच पर अपनी ताकत दिखाकर सटीकता व संयम का परिचय दिया। आपरेशन सिंदूर ने न सिर्फ आतंकवाद पर कड़ा प्रहार किया, बल्कि दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ सख्त संदेश भी दिया। भारत ने दुनिया को बताया कि आतंक के खिलाफ कहीं भी, कभी भी कार्रवाई होगी। बिना किसी सैन्य ठिकाने और रिहायशी क्षेत्र को निशाना बनाए सिर्फ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। यह विचार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बुधवार को छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग की ओर से राष्ट्र प्रथम के समर्थन में एक अभियान के तहत भारत की आतंकवाद पर जीत के उपलक्ष्य में आयोजित विजय तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए व्यक्त किए। यह विजय तिरंगा यात्रा कुलपति कार्यालय के प्रांगण से भारत माता की जय, वंदे मातरम जैसे नारों के साथ आरंभ हुई और विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, शाखाओं, संस्थानों, पुस्तकालय, आईआईएचएस, डीन बिल्डिंग व अन्य कई स्थानों से होकर निकली जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर भाग लिया। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि आप्रेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता ने भारत के राष्ट्रीय संकल्प, सैनिकों की वीरता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की दृढ़ता को विश्व पटल पर स्थापित किया है। यह पूरे देश के लिए गौरव, आत्मसम्मान और वीरता का उत्सव है। यह तिरंगा यात्रा उन वीर सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने दुश्मन को उसकी भाषा में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि देश का प्रत्येक नागरिक अपनी सेना के सम्मान में खड़ा है। यह यात्रा देशवासियों में देशभक्ति की भावना को जागृत करेगी और आम जनमानस को यह संदेश देगी कि हमारा राष्ट्र अपने हर नागरिक के सम्मान और सुरक्षा के लिए सतर्क है। विजय तिरंगा यात्रा में कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार, डीन आफ कॉलेजिज प्रो. ब्रजेश साहनी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर चौधरी, प्रो. डी.एस. राणा, प्रो. रमेश भारद्वाज, प्रो. संजीव अरोड़ा, प्रो. प्रदीप मित्तल, प्रो. सुनील ढींगरा, प्रो. प्रीति जैन, प्रो. जसबीर ढांडा, प्रो. नीलम ढांडा, प्रो. रीटा, प्रो. कुसुमलता, प्रो. महाबीर रंगा, प्रो. अनिल गुप्ता, प्रो. विवेक चावला, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, उप-निदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा, डॉ. कृष्णा, डॉ. रमेश सिरोही, डॉ. प्रीतम सिंह, डॉ. निरूपमा भट्टी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, डॉ. राजरतन, डॉ. मीनाक्षी सुहाग, डॉ. नीरज बातिश, डॉ. पूजा, डॉ. राजेश राजौंद, डॉ. रितु सैनी, लेफिट्नेंट डॉ. अजय जांगड़ा, कुलपति के ओएसडी पवन रोहिला, कुंटिया प्रधान राजवंत कौर, महासचिव रवीन्द्र तोमर, सहायक कुलसचिव विनोद वर्मा, डॉ. जितेन्द्र जांगडा सहित शिक्षक, विद्यार्थी व कर्मचारी मौजूद थे।

लेखन कौशल डॉक्यूमेंट्री स्किप्ट राइटिंग की पहली सीढ़ी : डॉ. गोदारा

केयू के जनसंचार संस्थान में डॉक्यूमेंट्री मेकिंग कार्यशाला का सफल आयोजन

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 14 मई। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के कुशल मार्गदर्शन में जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के मिनी आडिटोरियम में एक दिवसीय डॉक्यूमेंट्री मेकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉक्यूमेंट्री मेकिंग कार्यशाला में बतौर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. साहिब राम गोदारा, ज्वाइंट डायरेक्टर (प्रेस) आईपीआरएल, हरियाणा ने कहा कि लेखन कौशल डॉक्यूमेंट्री स्किप्ट राइटिंग की पहली सीढ़ी है। इसके लिए आपको बुनियादी बातों की पूरी समझ की आवश्यकता होगी। अपनी स्क्रिप्ट को सही तरीके से कैसे प्रारूपित और संरचित किया जाए। विद्यार्थियों को अपनी लेखनी पर अधिक जोर देना होगा क्योंकि लेखनी जितनी मजबूत होगी, उतनी ही आपकी सफलता मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इसके लिए निरंतर लिखते रहना चाहिए, ताकि लेखन कौशल में महारत हासिल हो सके। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने विभाग में बतौर कंटेट राईटर, स्पीच राइटर की नियुक्तियों के लिए निकले अवसरों प्राप्त कर लाभान्वित होने के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महा सिंह पूनिया ने मुख्य वक्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि स्क्रिप्ट लेखन कौशल डॉक्यूमेंट्री के लिए प्रभावी होता है। स्क्रिप्ट लेखन की परिभाषा में केवल कहानी सुनाना ही नहीं, बल्कि फॉर्मेटिंग भी शामिल है, क्योंकि स्क्रीन पर खुद को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने के लिए, विशेष तरीकों की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि संस्थान मुख्य वक्ताओं का विशेष आभारी हैं, जिन्होंने अपने बेहद व्यस्त समय में से राज्य के विभिन्न कॉलेजों एवं यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई डॉक्यूमेंट्री मेंकिग कार्य का ज्यूरी के रूप में निरीक्षण किया है। इसके साथ उन्होंने संस्थान के समस्त विद्यार्थियों को अपने अथाह कार्य अनुभव को विद्यार्थियों के साथ साझा करते हुए उनके सपनों को साकार रूप देने के लिए अपने विभागों विभिन्न पदों पर आमंत्रित नौकरियों का लाभ लेने के लिए उत्साहित किया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, हरियाणा के ज्वाइंट डायरेक्टर, नीरज ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि फिल्म शूटिंग और एडिटिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। हरियाणा में प्रतिभाओं की कमी नहीं हैं, युवाओं की प्रतिभा को कैसे उजागर किया जाए, इस दिशा में कार्य करने की जरूरत है।

भाविप सदस्यों ने हरियाणा कुष्ठ आश्रम में दिया मूलभूत जरूरत का सामान

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 14 मई। भारत विकास परिषद शाहाबाद शाखा द्वारा मानवता की सेवा में एक और सराहनीय कदम उठाते हुए हरियाणा कुष्ठ आश्रम, अंबाला कैंट में टी-शर्ट, टूथब्रश और टूथपेस्ट का वितरण किया गया। यह सेवा कार्य आश्रम में रह रहे जरूरतमंद व्यक्तियों की मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष दीपक गुप्ता, सचिव डॉ. कंवल गाबा, वित्त सचिव हेमंत बंसल, डॉ. परमजीत पाहवा, प्रो. अमरनाथ शर्मा, प्रो. सुभाष ढींगरा, प्रो. हरपाल सैणी, यशपाल सिंगला, संजीव सिंगला, राज कुमार कथूरिया और गुरचरण सिंगला सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी उपस्थित सदस्यों ने मिलकर न केवल सामग्री का वितरण किया, बल्कि आश्रम वासियों से संवाद कर उनका हाल-चाल भी जाना और उन्हें आत्मीयता का अनुभव कराया। शाखा सचिव डॉ. कंवल गाबा ने जानकारी देते हुए बताया कि परिषद का उद्देश्य केवल सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि समाज के उपेक्षित वर्गों के साथ आत्मीयता का संबंध जोड़ना भी है। कार्यक्रम के समापन पर सभी सदस्यों ने मिलकर सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया और आश्रम प्रबंधन ने भी परिषद के प्रति आभार व्यक्त किया।

डिवाइन पब्लिक स्कूल की छात्रा निष्ठा ने 99 प्रतिशत अंक लेकर शाहाबाद ब्लॉक में किया टॉप

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 14 मई। डिवाइन पब्लिक स्कूल में सीबीएसई 10वी बोर्ड परीक्षा परिणाम देख कर विधार्थियों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड पड़ी। स्कूल प्रधानाचार्या ने राजिन्द्र खुब्बड़ ने बताया की विद्यालय में 164 विद्यार्थियों ने दसवी बोर्ड की परीक्षा दी। निष्ठा ने 99 प्रतिशत अंक प्राप्त करके शाहाबाद ब्लॉक में प्रथम स्थान हासिल करके स्कूल, अध्यापकों और अभिभावकों का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। प्रतीक 96.4 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय और रष्मीता 96 प्रतिशत अंक हासिल करके तृतीय स्थान पर रहे। स्कूल के 17 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। उन्होंने बताया कि 41 विद्यार्थियों ने 85 प्रतिशत से अधिक और 5 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इसके अलावा हरसिमरन- 95.4, जपनीत-94, प्रणवत-93.2, यश्का-93.2, हरकीरत -93.2, जशन-92.8, रीदिमा-92.8 कंगना-92, लवदीप-91.8, अंशुल-91, अक्षत -90.2, तनुष्का-92.2, गुरलीन-90.4 एकमप्रीत -90.2 अंक प्राप्त किए हैं। इसके साथ ही 59 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक, 76 विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत से अधिक और 122 विद्यार्थियों ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करके स्कूल का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि विषय अनुसार अधिकतम अंक प्राप्त करने वालो में निष्ठा ने हिन्दी में 98 अंक, इग्लिश -96, गणित में निष्ठा और प्रतीक ने 98, साईस में निष्ठा और प्रतीक ने 98, सामाजिक विज्ञान में निष्ठा -99, पंजाबी में रशमिता और निष्ठा ने 100 अंक, आईटी में जपनीत और निष्ठा ने 100 अंक हासिल करके अपनी कड़ी मेहनत का परिचय दिया। स्कूल प्रबंधक डॉ गुरदीप सिंह हेयर व उप प्रधानाचार्य मनीश मलिक ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए इस बेहतरीन परीक्षा परिणाम का श्रेय अध्यापकों और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और उनके अभिभावकों को दिया। इस मौके पर समस्त स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

कुवि ने घोषित किए 17 परीक्षाओं के परिणाम

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 14 मई। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में परीक्षा शाखा द्वारा 17 परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि दिसम्बर 2024 में आयोजित बी.एड (4 वर्षीय एकीकृत) पहला सेमेस्टर, तीसरा सेमेस्टर, पांचवां सेमेस्टर व सातवां सेमेस्टर, बी.ए. (आनर्स) पहला सेमेस्टर (एनईपी) मेजर इन इकोनॉमिक्स, बी.ई.सी. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग सातवां सेमेस्टर, एम.टेक. सिविल (स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग) पहला सेमेस्टर, बी.ए.एल.एल.बी (आनर्स) पांचवां सेमेस्टर, बी.एससी. शारीरिक शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा और खेल विज्ञान तीसरा सेमेस्टर (एनईपी), बी.टेक. मैकेनिकल सातवां सेमेस्टर, बी.टेक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग) सातवां सेमेस्टर, बी.ए. (मास कम्युनिकेशन) तीसरा सेमेस्टर (रि-अपीयर), एम.ए. (संगीत) दूसरा सेमेस्टर सीबीसीएस/ एनईपी (रि-अपीयर), बी.वोक (बैंकिंग वित्त सेवाएँ और बीमा) पहला सेमेस्टर, बी.टेक. सातवां सेमेस्टर (ईवीई), एम.ए. (राजनीति विज्ञान) तीसरा सेमेस्टर, (रि-अपीयर $ पूर्ण) का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है। इसके साथ ही मई 2024 में आयोजित बी.एससी. (होम साइंस) चौथे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है।

गौरक्षा से मानव सेवा तक : गौरक्षा दल भिवानी ने धूप में बैठी बेसहारा महिला को पुलिस की मदद से पहुंचाया अपना घर आश्रम

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 14 मई। एक ओर जहां गौरक्षा दल भिवानी को प्रायः केवल गायों व अन्य पशुओं की सेवा तक ही सीमित समझा जाता है, लेकिन गौरक्षा दल भिवानी केवल मूक पशुओं की सेवा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने मानवता की सेवा का भी बीड़ा उठा लिया है। जिसका उदाहरण बुधवार को एक बार फिर से देखने को मिला, जब एक व्यक्ति की सूचना मिलने पर गौरक्षा दल भिवानी के सदस्य प्रधान संजय परमार के नेतृत्व में गांव कितलाना में पहुंचे तथा वहां पर सडक किनारे धूप में बैठी एक बेसहारा महिला को पुलिस की मदद से स्थानीय दादरी गेट स्थित श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर द्वारा संचालित अपना घर आश्रम में पहुंचाया, ताकि वहां उनकी देखभाल हो सकें। गौरक्षा दल भिवानी के प्रधान संजय परमार ने बताया कि गांव कितलाना से सुनील ने उन्हे सूचना मिली थी कि एक बेसहारा महिला तपती धूप में सडक किनारे असहाय अवस्था में बैठी है तथा वह कुछ बोल पाने में भी ज्यादा समर्थ नहीं है तथा उन्हे तुरंत प्रभाव से देखभाल की जरूरत है। जिसके बाद वे अपनी टीम के सदस्यों को लेकर गांव कितलाना में पहुंचे तथा डायल-112 व सदर थाना में सूचना दी तथा एएसआई विश्वास मौके पर पहुंचे। परमार ने बताया कि इस दौरान गौरक्षा दल भिवानी के सदस्यों व पुलिस कर्मचारियों द्वारा महिला से बातचीत करने का प्रयास किया गया तो वह महिला ज्यादा कुछ बोल नहीं पा रही थी तथा उनकी हालत को देखते हुए उन्हे अपना घर आश्रम में भेजा गया। जहां पर उनकी देखभाल व काऊंसलिंग के बाद उनके परिजनों के बारे में जानकारी मिल पाएगी। गौरक्षा दल भिवानी के प्रधान संजय परमार ने बताया कि गौमाता की सेवा करना उनकी प्राथमिकता है, लेकिन अगर कोई इंसान भी भूखा, लाचार या बेसहारा है तो उसकी मदद करना भी हमारी जिम्मेदारी है, क्योंकि सेवा भाव किसी सीमा में नहीं बंधता। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि यदि उन्हे को कोई घायल या बीमार गाय या अन्य जानवरों के अलावा कोई बेसहारा व्यक्ति भी दिखे तो उसकी सूचना गौरक्षा दल भिवानी को दे, ताकि उनकी देखभाल व सेवा की जा सकें। इस मौके पर पुलिस कर्मचारी एएसआई विश्वास ने कहा कि गौरक्षा दल भिवानी का यह कदम ना केवल मानवता की सेवा है, बल्कि समाज के लिए एक सशक्त संदेश भी है कि जरूरतमंद जो भी हो, सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। इस अवसर पर गौरक्षा दल चरखी दादरी के प्रधान कमल मित्तल, कुकी परमार, गोलू शर्मा भी मौजूद रहे।

बिजली लोक अदालत में 40 उपभोक्ताओं की समस्याओं पर हुई सुनवाई

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 14 मई। ऊर्जा मंत्री अनिल विज के निदेर्शानुसार स्थानीय ऑपरेशन सर्कल कार्यालय में जिला भिवानी व दादरी के बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के निवारण हेतु बिजली लोक अदालत लगाई गई। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधीक्षण अभियन्ता विजेन्द्र सिंह ने 40 उपभोक्ताओं की बिजली से संबंधित समस्याएं सुनी। इस दौरान उन्होंने बिल से संबंधित, रख-रखाव व सुधार संबंधित और ट्यूबवैल कनेक्शन से संबंधित आदि समस्याओं को बड़े गौर से सुना। मौके पर समाधान होने वाली समस्याओं का शीघ्र समाधान कर दिया गया। शेष समस्याओं का संबंधित अधिकारी को प्राथमिकता से शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली सुविधा मुहैया कराने के साथ-साथ बिजली संबंधित शिकायतों को भी प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार के निदेर्शानुसार प्रत्येक मंगलवार को 10:00 बजे से 1:00 बजे तक उपभोक्ताओं की बिजली अदालत लगाकर समस्याएं सुनी जाएगी और उनका समाधान भी किया जाएगा। इस मौके पर भिवानी व दादरी जिले के अंतर्गत आने वाले सभी कार्यकारी अभियंता व उपमंडल अधिकारी व फरियादी उपस्थित रहे।

हरियाणा वाटिका
Email- haryanavatika@gmail.com

सरदार करतार सिंह नर्सिंग कॉलेज मे मनाया गया नर्सिज डे

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 14 मई। सरदार करतार सिंह हेयर नर्सिंग कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय नर्सिज-डे बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज विद्यार्थियों द्वारा अलग-अलग प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रबंधक डॉ गुरदीप सिंह हेयर मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने पुरस्कार देकर सभी विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया और उन्हे निरंतर प्रयासरत रहने के लिए भी कहा। कॉलेज की प्रिंसीपल श्रीमती रेणु ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए नर्सिग की महत्वता के बारे में बताया। इस दौरान कॉलेज के स्टॉफ सदस्य बलजिन्द्र कौर, अमन, रूबल, नीतू, अंकुश, सोनू व अन्य मौजूद रहे। अमन ने विद्यार्थियों को नर्सिंग प्रोफैशन की शपथ के बारे में बताया। इसके साथ ही फलोरेंस नाइटिंगगेल के योगदान के बारे में भी समझाया। इस दौरान हुई पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में देविका बी.एस.सी नर्सिंग छठा सेमेस्टर को प्रथम, नेंसी बी.एस.सी नर्सिंग थर्ड सेमेस्टर को द्वितीय व नीतिका बी.एस.सी नर्सिंग पांचवा सेमेस्टर को तृतीय रहने पर सम्मानित भी किया गया।

निरंकारी श्रद्धालुओं द्वारा समर्पण दिवस पर बाबा हरदेव सिंह जी को श्रद्धासुमन अर्पित

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 14 मई। संत निरंकारी मिशन द्वारा समर्पण दिवस के अवसर पर युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की पुण्य स्मृति में एक भावनात्मक वर्चुअल संत समागम का आयोजन किया गया। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और निरंकारी राजपिता जी के दिव्य सान्निध्य में आयोजित इस समागम में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन सहभागिता की।

समर्पण दिवस के अवसर पर सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने वर्चुअल सत्संग में श्रद्धालुओं को फरमाया कि सतगुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज का जीवन हर क्षण प्रेम, त्याग, सेवा और शिक्षाओं से परिपूर्ण था। ऐसा ही भक्ति समर्पण वाला जीवन हम सभी का हो यह समर्पण केवल शब्दों तक सीमित न रहे, बल्कि जीवन के व्यवहार में उतरे।

भिवानी जोन के प्रमुख बलदेव राज नागपाल जी ने बताया कि भिवानी जोन से हजारों श्रद्धालुओं ने सत्संग समागम में अपनी हाजिरी दर्ज करवाई और समागम का आनंद लिया। सतगुरु माता जी ने स्पष्ट किया कि सच्चा आदर और प्रेम केवल वाणी से नहीं, बल्कि कर्मों से प्रकट होता है। यदि हम बाबा जी की शिक्षाओं को केवल सोशल मीडिया तक सीमित रखते हैं, तो वह सच्चा समर्पण नहीं। समर्पण का वास्तविक रूप तभी प्रकट होता है जब हम अपने भीतर झांकें और आत्म-विश्लेषण करें क्या हम वास्तव में विनम्रता, क्षमा और प्रेम जैसे गुणों को जी रहे हैं। उन्होंने अपने जीवन के हर पहलू पर साध-संगत को महत्ता दी।

समर्पण दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि यह अवसर है यह सोचने का कि क्या हम वाकई अपने जीवन को इन शिक्षाओं से जोड़ पाए हैं। प्रेम, एकता, मानवता और विनम्रता को अपने भीतर बसाकर ही हम इस दिवस को सार्थक बना सकते हैं। यही बाबा जी के प्रति सच्चा आदर और समर्पण होगा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने विचार, गीत, कविता और भजनों के माध्यम से बाबा जी की करुणा, प्रेम और समर्पण की गूंज को जीवंत किया।

उन्होंने बताया कि सतगुरु माता जी ने श्रद्धेय अवनीत जी का स्मरण करते हुए उन्हें एक सच्चा गुरसिख बताया, जिन्होंने अपने आचरण से समर्पण की मिसाल प्रस्तुत की। इस अवसर पर, सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के कर-कमलों द्वारा पुस्तक ह्यहरदेव वचनामृतह्ल का विमोचन किया गया। यह एक सटीक और सारगर्भित संकलन है, जिसमें युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी के दिव्य विचार, उपदेश और सत्संग वचनों को संयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि ह्यहरदेव वचनामृतह्ल केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि वह आध्यात्मिक अमृत है जो पाठक को बाबा जी की शिक्षाओं की गहराई से जोड़ता है।

इस संकलन में प्रेम, सेवा, विनम्रता, एकत्व और निरंकार से जुड़ाव जैसे मूल तत्वों को सरल एवं मार्मिक भाषा में प्रस्तुत किया गया है। यह वाणी संग्रह, बाबा जी की आत्मा की आवाज है जो हर युग, हर पीढ़ी के लिए पथप्रदर्शक बनकर जीवन को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करेगी।

जिला प्रशासन विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर : डीसी प्रीति

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार

कैथल, 14 मई। डीसी प्रीति ने कहा जिला प्रशासन विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से गंभीर है। सभी निजी स्कूल संचालक सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के तहत अपनी बसों को संचालित करें। बसों में जो भी खामियां हैं, उन्हें दुरूस्त करवाया जाए। इसके साथ ही बच्चों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करें। ऐसे विद्यार्थियों का डाटा भी एकत्रित किया जाए, जो बच्चे स्कूल बसों में न आकर अन्य वाहनों के माध्यम से स्कूल में आते हैं।

डीसी प्रीति लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में निजी स्कूल संचालकों के साथ बैठक के दौरान बोल रही थी। डीसी ने कहा कि आने वाली जून की छुट्टियों में यातायात नियमों के संबंध में होमवर्क दिया जाए, ताकि बच्चे घर पर यातायात नियमों के बारे में जान सके तथा अपने जीवन में उतार भी सके। इसके साथ ही यातायात नियमों को लेकर सेमिनार आदि भी स्कूल में आयोजित किए जाएं। इन सेमिनार में अभिभावकों को भी शामिल करें।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सुरक्षित आवागमन की जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन की होती है। सभी स्कूल संचालक सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी में निर्धारित मानकों व मापदंडों का पालन करें। सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की पालना न करने के कारण जब कोई सड़क हादसा होता है तो पीड़ित परिवार के लिए असहनीय होता है। इसलिए सुनिश्चित करें कि सभी स्कूल बसें पॉलिसी के सभी मानकों पर खरी उतरे। इसके साथ ही स्कूल में आने वाले सभी शिक्षक या अन्य स्टाफ भी यातायात नियमों का दृढ़ता से पालन करें। अक्सर देखने में आता है कि कुछ विद्यार्थी यातायात नियमों का पालन नहीं करते, इसलिए उनकी विशेष काउंसलिंग की जाए और उनके माता-पिता को भी इस संदर्भ में जागरूक किया जाए। विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ किसी भी स्तर की लापरवाही नहीं बरती जाए। निजी स्कूल संचालकों के प्रतिनिधि मंडल ने डीसी प्रीति को आश्वासन दिया कि वे सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के तहत स्कूल बसों को चलाएंगे और विद्यार्थियों को यातायात नियमों में जागरूक करेंगे। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करेंगे कि शिक्षकों के साथ-साथ अन्य स्टाफ भी यातायात नियमों का पालन करेंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के लिए आवेदन आमंत्रित: डीसी

सरकार द्वारा योजना के तहत बेघर, जीर्णोद्धार व कच्चे मकानों वाले नागरिकों को दिए जाएंगे 2.50 लाख सहायता राशि

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 14 मई। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत शहरी क्षेत्रों में बेघर, जीर्णोद्धार एवं कच्चे मकानों में रह रहे परिवारों को नए आवास निर्माण के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना का लाभ लेने के लिए पीएमएवाई-अर्बनडॉटजीओवीडॉटइन पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत नियमानुसार पात्र नागरिक को 2.50 लाख की सहायता/अनुदान राशि प्रदान की जाएगी।

उपायुक्त महावीर कौशिक ने ये जानकारी देते हुए बताया कि शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार व हाउसिंग फॉर ऑल विभाग, हरियाणा के निदेर्शानुसार नगर परिषद भिवानी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि बेघर, कच्चे/जर्जर मकानों में रहे परिवारों को पक्के मकान का सपना साकार करने हेतू सरकार द्वारा पूर्व में वंचित परिवारों हेतू ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से फॉर्म भरे जा रहे है। योजना का लाभ लेने के लिए नागरिक सीएससी सेंटर या स्वयं पीएमएवाई-अर्बनडॉटजीओवीडॉटइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए नगर परिषद कार्यालय से सम्पर्क करें।

योजना के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कार्यकारी अधिकारी राजाराम ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत तीन प्रकार से लाभ दिया जाएगा। बीएलसी (लाभार्थी द्वारा संचालित निर्माण), आईएसएस (ब्याज सब्सिडी योजना) व एएचपी(भागीदारी में किफायती आवास) दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि बीएलसी के अनुसार केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग श्रेणी के लिए नए पक्के मकान के निर्माण के लिए लाभ दिया जाएगा। आवेदक के पास राजस्व अभिलेख में उसके नाम पर पंजीकृत कच्चा मकान या भूमि/भूखंड होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि पीएमएवाई-यू 2.0 के शुभारंभ की तिथि 01 सितंबर 2024 से पहले लाल डोरा/आबादी-देह क्षेत्र का निवासी होना चाहिए। न्यूनतम 30 वर्ग मीटर और अधिकतम 45 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले पक्के बहुमंजिला मकान के निर्माण के लिए 2.50 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता (केंद्रीय सहायता 1.50 लाख रुपये + 1.00 रुपये राज्य सहायता) अनुमान्य है। अनधिकृत कॉलोनी में भूमि/भूखंड वाले निवासी पात्र नहीं होंगे।

इसी प्रकार से आईएसएस के तहत ईडब्ल्यूएस, एलआईजी और एमआईजी श्रेणी के परिवार जिनकी वार्षिक आय क्रमशः तीन लाख रुपये, छह लाख रुपये और नौ लाख रुपये है, वे अधिकतम 120 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले पक्के मकान के निर्माण या खरीद/पुर्न खरीद के लिए गृह ऋण पर ब्याज सब्सिडी का लाभ उठाने के पात्र होंगे।

आवेदक के पास राजस्व रिकॉर्ड में उसके नाम पर पंजीकृत कच्चा मकान या जमीन/भूखंड होना चाहिए। पीएमएवाई-यू 2.0 के शुभारंभ की तिथि 01 सितंबर 2024 से पहले लाल डोरा/आबादी-देह क्षेत्र के निवासी होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि एएचपी योजना के तहत केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग श्रेणी के लिए, राज्यों/संघ शासित प्रदेशों/शहरों/निजी एजेंसियों द्वारा विभिन्न भागीदारी में बनाए जा रहे पक्के मकान के मालिक होने के लिए। ईडब्ल्यूएस परिवारों के पास अपना कोई मकान/भूखंड/भूमि नहीं है। राज्यों/संघ शासित प्रदेशों/शहरों/निजी एजेंसियों द्वारा विभिन्न भागीदारी में बनाए जा रहे पक्के मकान के मालिक होने के लिए 2.50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता अनुमन्य है, जिसमें न्यूनतम 30 वर्ग मीटर और अधिकतम 45 वर्ग मीटर कारपेट क्षेत्र हो और ईडब्ल्यूएस आवेदक जो मकान का मालिक बनना चाहता है, वह इस कार्यक्षेत्र के तहत निर्मित की जाने वाली राज्य सरकार/भागीदारी परियोजनाओं की किसी भी योजना में अपने संबंधित शहर में किफायती मकान पाने के लिए आवेदन कर सकता है।

- योजना के लिए पात्रता

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, निम्न आय वर्ग व मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए, लाभार्थी का आधार कार्ड व बैंक खाता, देश के किसी भी भाग में लाभार्थी या उसके परिवार के सदस्य के नाम कोई पक्का मकान ना हो, पिछले 20 वर्षों में किसी सरकारी आवासीय योजना का लाभ ना लिया हो, लाभार्थी योजना के आरम्भ (01.09.2024) से पूर्व हरियाणा राज्य के शहरी क्षेत्र का स्थाई निवासी हो या शहरी क्षेत्र में स्थापित औद्योगिक/वाणिज्यिक इकाई का कर्मचारी, जो कि लेबर वेलफेयर बोर्ड, हरियाणा द्वारा पंजीकृत हो या केन्द्रीय/हरियाणा के किसी विभाग/उपक्रम/बोर्ड का कर्मचारी तथा वर्तमान में शहरी क्षेत्र का निवासी हो, पारिवारिक वार्षिक आय (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तीन लाख तक, निम्न आय वर्ग तीन लाख से छह लाख व मध्यम आय वर्ग छह लाख से नौ लाख रुपए तक) के अनुसार हो।

- योजना के लिए अनिवार्य दस्तावेज

पहचान-पत्र के रूप में प्रार्थी तथा परिवार के दूसरे सदस्यों के आधार कार्ड/पैन कार्ड/पासपोर्ट आदि, निवास सत्यापन के लिए वोटर कार्ड, बिजली का बिल, टेलीफोन बिल, राशन कार्ड, पासपोर्ट, बैंक पास बुक, पेंशन बुक, आधार कार्ड या सरकार द्वारा जारी प्रमाणित दस्तावेज, प्रार्थी का पारिवारिक वार्षिक आय प्रमाण पत्र, भूखण्ड/आवास से सम्बन्धित स्वामित्व दस्तावेज (रजिस्ट्री/रजिस्ट्री क्रय-विक्रय पत्र या सरकारी विभाग/उपक्रम/पूर्व पंचायत द्वारा जारी आवंटन-पत्र दस्तावेज/जमाबंदी की प्रमाणित/नोटराईज्ड प्रति), प्रार्थी के चालू बैंक खाते की पासबुक व प्रार्थी द्वारा पात्रता आदि बारे स्कीम में निर्धारित प्रोफार्मा अनुसार स्वयं घोषणा पत्र (सेल्फ अंडरटेकिंग) आदि दस्तावेज अनिवार्य है।

मीरी पीरी अस्पताल में दवाइयों के मूल्यों और सिख स्टाफ की अनदेखी मामले में होगी जल्द कार्रवाई : बीबी करतार कौर

समागम में नामित एचएसजीएमसी सदस्या का संगत ने किया स्वागत

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 14 मई। संक्रांति के शुभ अवसर पर ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री मस्तगढ़ साहिब में आयोजित विशेष धार्मिक समागम के दौरान हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी (एचएसजीएमसी) की नामित सदस्या बीबी करतार कौर का संगत ने भव्य स्वागत किया। यह कार्यक्रम एचएसजीएमसी के पूर्व सदस्य एवं प्रवक्ता बेअंत सिंह नलवी द्वारा आयोजित किया गया था। इस दौरान गुरुद्वारा साहिब के मैनेजर नरेंद्र सिंह, हेड ग्रंथी गुरप्रीत सिंह और पूर्व नगर पार्षद राजदीप कौर बाजवा ने बीबी करतार कौर को सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया। बीबी करतार कौर ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें शाहाबाद की सिख संगत की समस्याओं की पूरी जानकारी है और वे व्यक्तिगत रूप से इन मुद्दों को गंभीरता से ले रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से मीरी पीरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में आ रही समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए कहा कि यह संस्थान भले ही फिलहाल एसजीपीसी श्री अमृतसर के अधीन है, लेकिन इसे एचएसजीएमसी के अंतर्गत लाने के लिए वे आवश्यक कानूनी प्रक्रिया अपनाएंगी। मीडिया से बातचीत में बीबी करतार कौर ने

खुलासा किया कि संगत द्वारा उन्हें यह जानकारी दी गई है कि मीरी पीरी अस्पताल में मरीजों को दवाईंयां बाजार से कहीं अधिक कीमतों पर दी जा रही हैं। जबकि एक चैरिटेबल अस्पताल में दवाईंयां सस्ती मिलनी चाहिए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि यह स्थिति चैरिटेबल संस्था के उद्देश्य के खिलाफ है और वे शीघ्र ही अस्पताल प्रबंधकों से मिल कर इस विषय में ठोस कार्रवाई करेंगी। अस्पताल में सिख स्टाफ की अनदेखी और उपेक्षा को भी बीबी करतार कौर ने गंभीरता से लिया और कहा कि सिख स्टाफ को उचित सम्मान और अवसर दिए जाने चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस विषय में भी वे अस्पताल प्रबंधन से बात कर हल निकालेंगी। इस अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरु नानक दरबार के मैनेजर हरदेव सिंह, अवतार सिंह, दिलजोत सिंह, इकबाल सिंह (अकाउंटेंट), सुखदीप सिंह, बरिंदर सिंह, सरताज कौर, अनीता रानी, प्रतिमा पंडित, ममता, मनदीप कौर सहित बड़ी संख्या में संगत मौजूद रही।

एमबीबीएस कॉलेज शुरू करने का वायदा :

बीबी करतार कौर ने बताया कि मीरी पीरी संस्थान का नींव पत्थर उनकी उपस्थिति में रखा गया था और अब जब केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार है, तो वे इस संस्थान में एमबीबीएस कॉलेज की शुरूआत कराने का हर संभव प्रयास करेंगी, ताकि क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सीय शिक्षा मिल सके। बेअंत सिंह नलवी ने कहा कि शाहाबाद की सिख संगत की प्रमुख मांग है कि मीरी पीरी संस्थान को एचएसजीएमसी के अधीन लाया जाए क्योंकि यह ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री मस्तगढ़ साहिब की जमीन पर स्थापित है। इस मांग को वे कमेटी के अन्य सदस्यों और सरकार के समक्ष पुरजोर तरीके से उठाएंगे।

सिखी प्रचार के लिए विशेष कैंपों का होगा आयोजन :

बीबी करतार कौर ने कहा कि एचएसजीएमसी की धर्म प्रचार कमेटी सक्रिय रूप से कार्य कर रही है, लेकिन वे स्वयं भी कुरुक्षेत्र जिले में सिख धर्म प्रचार हेतु विशेष प्रयास करेंगी। इसके अंतर्गत दस्तार सिखलाई और गतका सिखलाई के विशेष शिविर हर गुरुद्वारा साहिब में लगाए जाएंगे। बीबी करतार कौर ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि बराड़ा रोड स्थित अनाज मंडी के पास गुरुद्वारा श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी के समीप एक शराब का ठेका खुला है, जो संगत की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाता है। इस मुद्दे को लेकर वे शीघ्र ही एसडीएम और डीसी से मिलेंगी और वहां से ठेके को हटवाने की दिशा में कार्रवाई करेंगी।

एमपीएम स्कूल का दसवीं का वार्षिक परिणाम रहा शत प्रतिशत, स्कूल में खुशी का माहौल

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 14 मई। मनीष पपनेजा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में कक्षा दसवीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। जिसके चलते स्कूल में खुशी का माहौल बना रहा। जानकारी देते हुए विद्यालय की प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जगदीश पपनेजा ने बताया कि 151 छात्रों ने दसवीं कक्षा की परीक्षा दी थी। जिसमें किंजल कंसल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 96 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान, सहजप्रीत कौर ने 95 प्रतिशत अंक के साथ दूसरा स्थान तथा नवनीत सैनी ने 94 प्रतिशत अंक के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया है। स्कूल की प्रधानाचार्य रचना बत्रा ने कहा कि विद्यार्थियों के अच्छे प्रदर्शन से स्कूल में खुशी का माहौल है यह बच्चों के दृढ़ संकल्प का परिणाम है। इस अवसर पर अंकुर पपनेजा सहित समस्त स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

शहरी निकाय मंत्री को ज्ञापन सौंप शहर की समस्याओं के बारे अवगत कराया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 14 मई। पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं मौजूद नपा चेयरमैन पति चिरंजीव गर्ग के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल से मिला जहां उन्होंने एक ज्ञापन सौंप कर शहर की मुख्य समस्याओं व मांगों के बारे में उनको अवगत कराया। जानकारी देते हुए चिरंजीव गर्ग ने बताया कि शहर में पानी निकासी की समस्या सबसे बड़ी है। शहर में ड्रेनेज सिस्टम बनाने की मांग को प्रमुखता से रखा गया है। इसके अलावा शहर में काफी कॉलोनियां अन बेमंजूर है। कॉलोनियां मंजूर होने से लोगों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि शहरी निकाय मंत्री ने शहर की समस्याओं का जल्द निवारण करने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर उन्होंने मंत्री को शहर का दौरा कर स्थिति जांचने के लिए भी कहा । जिस पर उन्होंने आश्वासन दिया कि वे जल्द ही शहर का दौरा कर लोगों की समस्याओं को सुनेगे और समस्याओं का जल्द से जल्द निवारण करवाने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर उनके साथ अनुज बंसल, संजीव गर्ग, मनन जिंदल, अंकुश गर्ग, साहिल सिंगला, मोहित गोयल, प्रशांत शर्मा, पार्षद हर्ष नैन, संदीप सैनी आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने फोन कर टॉपर नमन को दी बधाई तो परिवार और स्कूल में खुशियां छाई

विज्ञान संकाय में प्रदेश में टॉप करने वाले छात्र नमन कुमार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फोन कर दी बधाई

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 14 मई। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा 12वीं कक्षा के घोषित परिणाम में विज्ञान संकाय में प्रदेश में टॉप स्थान पर रहने वाले पीएस नवयुग स्कूल तोशाम के छात्र नमन का मंगलवार देर सांय उस समय खुशी का ठिकाना नहीं रहा जब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उनको फोन कर बधाई और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री श्री सैनी द्वारा शुभकामनाएं दिए जाने पर न केवल नमन और उनके परिजन बल्कि स्कूल स्टाफ सदस्य भी खुशी के मारे फूला नहीं समा रहे। वहीं नमन की उपलब्धि पर स्कूल स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों ने मिठाई बांटकर खुशियां मनाई और एक दूसरे को बधाई दी। उल्लेखनीय है कि नमन कुमार ने 493 अंक हासिल कर विज्ञान संकाय में प्रदेश में टॉप स्थान

हासिल किया है और हरियाणा में टॉप 10 में पांचवें स्थान पर रहे हैं। अपनी कड़ी मेहनत और उपलब्धि से नमन ने अपने माता-पिता और स्कूल के साथ-साथ इलाके का नाम भी रोशन किया है। नमन की उपलब्धि पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार देर शाम 8:10 पर फोन कर नमन को बधाई दी। यहां यह भी बताना जरूरी है कि मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर के अव्वल आने वाले होनहार विद्यार्थियों से बात की हैं, उनमें पीएस नवयुग स्कूल तोशाम के छात्र नमन भी शामिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बधाई देते हुए कहा कि नमन ने स्वयं के साथ-साथ माता-पिता का नाम भी रोशन किया है। वे इसी तरह कड़ी मेहनत कर आगे बढ़ते रहें। हमारी शुभकामनाएं हमेशा तुम्हारे साथ हैं।

वहीं दूसरी ओर नमन ने बताया कि मुख्यमंत्री का उनके पास में फोन आना अकल्पनीय और अविश्वसनीय रहा। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा बधाई दिए जाने की बात जब अपने माता-पिता को बताई तो उनकी खुशी का भी ठिकाना नहीं रहा। नमन के पिता पेशकर वर्मा और माता उषा ने कहा कि बेटे की मेहनत रंग लाई है। नमन की मेहनत है कि मुख्यमंत्री ने उनको बधाई दी है।

पीएस नवयुग स्कूल के प्राचार्य अनिल कुमार ने कहा कि उनके लिए इससे बड़ी और क्या खुशी हो सकती है कि स्वयं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नमन कुमार को फोन कर बधाई दी है। इससे पूरे स्टाफ में खुशी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का नमन को फोन कर बधाई देना अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। नमन के हरियाणा राज्य भर में प्रथम आने के साथ-साथ मुख्यमंत्री श्री सैनी द्वारा फोन कर बधाई देने पर स्कूल में मिठाइयां बांटी गई। स्टाफ सदस्यों के साथ-साथ विद्यार्थियों ने भी एक दूसरे को बधाई दी। विद्यार्थियों को एहसास हुआ कि कड़ी मेहनत से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। यदि वे कठिन परिश्रम करें तो उनको भी मुख्यमंत्री से बधाई मिल सकती है।

नागरिक अस्पताल में नहीं पहुंचे दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने वाले अधिकारी, दिव्यांग दिन भर करते रहे इंतजार

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 14 मई। स्थानीय नागरिक अस्पताल में बुधवार को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने आए दर्जनों दिव्यांगों को उस समय भारी निराशा हाथ लगी, जब संबंधित अधिकारी निर्धारित समय पर अस्पताल नहीं पहुंचे। सुबह से ही कई दिव्यांग अपने परिजनों के साथ लंबी दूरी तय कर अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन प्रमाण पत्र जारी करने वाली टीम के नहीं आने से वे पूरे दिन अस्पताल परिसर में भटकते रहे। प्रमाण पत्र बनवाने आए दिव्यांगजन अमन, संजीव, मोहित गुप्ता, संदीप, हरिओम, रोहित सहित अन्य ने बताया कि वे यहां प्रमाण पत्र बनवान आए थे, लेकिन अधिकारियों की गैरहाजिरी ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। कुछ दिव्यांग व्हीलचेयर पर तो कुछ बैसाखियों के सहारे आए थे, जिन्हें न तो कोई उचित जानकारी दी गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता ने इस लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह दिव्यांगजनों के अधिकारों की अवहेलना है और प्रशासन को इस पर तुरंत संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि अस्पताल प्रशासन को समुचित व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि उन्हें बार-बार इस तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े।

शिक्षा के स्तर में निरंतर हो रहा है सुधार: अनीता चावला

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 14 मई। आज के युग में शिक्षा के स्तर में दिन प्रतिदिन सुधार होता जा रहा है। आज का युवा उच्च शिक्षा की तरफ बढ़ रहा है। यह बात भाजपा नेत्री व समाजसेवी अनीता चावला ने कही उन्होंने कहा की हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड व सीबीएससी बोर्ड द्वारा जारी किए गए 12वीं १० वीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में छात्र व छात्राओ ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है उन्होंने साबित किया है की मेहनत सफलता की कुंजी है उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कही। उन्होंने बताया कि बोर्ड परीक्षा परिणामों में कई स्कूल का परिणाम शतप्रतिशत रहा है। इसके लिए स्कूल स्टाफ व विद्यार्थी बधाई के पात्र हैं। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एआई की ताकत का उपयोग समाज के हित में करें: हर्ष बंसल

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 14 मई। एआई मॉडल को एथिकल फेयर और अकाउंटेबल बनाना समय की मांग है। एआई की ताकत का उपयोग समाज के हित में करें और ऐसे समाधान तैयार करें जो निष्पक्ष और पारदर्शी हों। यह विचार प्रसिद्ध इंडस्ट्री एक्सपर्ट हर्ष बंसल ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में इंस्टिट्यूट आफ इंटीग्रेटेड एंड आनर्स स्टडीज द्वारा आयोजित एक विशेष आनलाइन सेशन कार्यक्रम में व्यक्त किए। कार्यक्रम में उन्होंने सेशन के दौरान जेनेरेटिव एआई के साथ-साथ मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग जैसे उभरते हुए विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि ये तकनीकें हेल्थकेयर, फाइनेंस, एजुकेशन और अन्य उद्योगों में कैसे वास्तविक बदलाव ला रही हैं। उनके उदाहरण और इनसाइट्स ने प्रतिभागियों को रिसर्च और इंडस्ट्री एप्लिकेशन के बीच की कड़ी को बेहतर समझने में मदद की। इस सेशन का आयोजन प्रो. डॉ. अश्विनी कुश की पहल पर किया गया। डॉ. अश्विनी कुश ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे सेशन्स के जरिए इंडस्ट्री और शिक्षा जगत के बीच सहयोग को और बढ़ावा मिलेगा।

अधिकारी निर्धारित समयावधि में एनओसी जारी करने का कार्य करें: एडीसी

एडीसी ने डीएलसीसी व डीएलजीसी की बैठक में दिए जरूरी निर्देश

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 14 मई। एडीसी डॉ. मुनीष नागपाल की अध्यक्षता में स्थानीय लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में जिला स्तरीय क्लीरियंस कमेटी (डीएलसीसी) व जिला स्तरीय ग्रीवेंस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। एडीसी श्री नागपाल ने एनओसी जारी करने से संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में एनओसी जारी करने के निर्देश दिए।

एडीसी ने बैठक में प्रदेश सरकार द्वारा एचईपीसी पोर्टल के माध्यम से ऑन लाईन क्लीरियंस के समयबद्ध निपटान की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि जिन विभागों की सीएएफ ज्यादा समय से लंबित हैं, वे विभाग अति शीघ्र निपटान करें। उन्होंने कहा कि

सरकार द्वारा उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उद्योगों को बढ़ावा देना मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की प्राथमिकता है। औद्योगिक ईकाई स्थापित करने के लिए एक ही पोर्टल पर सभी सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। औद्योगिक ईकाई स्थापित करने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र दिया जाता है।

उन्होंने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम, नगर परिषद, खनन विभाग, श्रम विभाग, डीटीपी, जिला उद्योग केंद्र, राजस्व विभाग, वन विभाग, एचएसपीसीबी सहित अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि एनओसी जारी करने में अनावश्यक रूप से देरी न की जाए। बिना किसी कारण के एनओसी रोकने वाले विभाग के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

बैठक में टावर से संबंधित न्यू पालिसी बारे विस्तार से समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को इसकी पालन के निर्देश दिए। इसके अलावा एडीसी ने डिस्ट्रिक लेवल ग्रीवंस कमेटी की भी समीक्षा कर अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आगामी बैठक में औद्योगिक एसोसिएशन के पदाधिकारियों को भी बुलाएं।

नगर निगम की टीम ने 3 दुकानदारों के सिंगल यूज प्लास्टिक के किये चालान

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 14 मई। निगमायुक्त नीरज के आदेशानुसार और अतिरिक्त आयुक्त शालिनी चेतल व संयुक्त आयुक्त डॉ. प्रीतपाल के दिशा निर्देश पर बुधवार को चेकिंग के दौरान स्वच्छता शाखा की टीम ने बस स्टैण्ड के आस-पास के क्षेत्र से 3 दुकानदारों के सिंगल यूज प्लास्टिक के 1500 रुपए चालान किये।

इस दौरान टीम ने करीब 20 दुकानों का निरीक्षण कर सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग न करने के बारे में जानकारी दी तथा टीम ने दुकानदारों व आमजन को बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बेहद खतरनाक हैं। ऐसे प्लास्टिक न तो डिकंपोज होते हैं और जलाने पर हानिकारक धुंआ निकलता हैं जो पर्यावरण और इंसानों, जानवरों और पेड़-पौधों की सेहत के लिए खतरनाक होते हैं, इसके अलावा सिंगल यूज पॉलीथीन का कचरा बारिश के पानी को जमीन के नीचे जाने से रोकता हैं, जिससे ग्राउंड वॉटर लेवल में कमी आती हैं। निगमायुक्त नीरज ने दुकानदारों से अपील की वे 120 माईक्रोन से कम के पॉली बैग का प्रयोग न करें। इस दौरान तकनीकी विशेषज्ञ जसबीर कुंडू, सीटीएल प्रदीप जाखड़, रवि सिंधवानी मौजूद रहे।

लव्य पांचाल ने 91.6% अंक प्राप्त कर मारी बाजी

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 14 मई। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं की परीक्षा में महाराणा प्रताप स्कूल के विद्यार्थी लव्य पांचाल ने 91.6% अंक लेकर विद्यालय व माता पिता का नाम रोशन किया है। लव्य के पिता अमरजीत पांचाल शिक्षा विभाग में अध्यापक व माता पूनम पांचाल भारतीय जीवन बीमा में बीमा सलाहकार हैं। लव्य पांचाल ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने अध्यापकों व परिवार के सदस्यों को दिया। उन्होंने बताया कि भविष्य में वे इससे भी ज्यादा अंक लेकर नॉन मेडिकल द्वारा जेईई में टॉप करने की तैयारी शुरू कर रहे हैं। इस अवसर पर परिवार के सदस्यों ने उनका मुंह मीठा करवाया और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

परिणाम घोषित होने पर खुशी से झूमे बीआर स्कूल के विद्यार्थी

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 14 मई। बीआर इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में सीबीएसई द्वारा घोषित कक्षा बारहवीं एवं कक्षा दसवीं के शानदार परिणाम के उपलक्ष्य में कक्षा बारहवीं एवं कक्षा दसवीं के छात्रों ने आज नाच गाकर अपनी खुशियों को अपने शिक्षकों के साथ सांझा किया। स्कूल प्रबंधन एवं प्रशासन की ओर से सब छात्र/छात्राओं को पुष्प-हार पहनाकर एवं मुंह मीठा करवाकर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति की संरक्षिका चन्द्र चोपड़ा ने सबको आशीर्वाद दिया। चेयरमैन दीपक चोपड़ा ने सभी छात्रों को हार्दिक बधाई देते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। विद्यालय प्राचार्या पूजा कंबोज ने छात्रों को हार्दिक बधाई दी एवं भावी कक्षाओं में और अधिक एकाग्रता एवं तन्मयता से लक्ष्य केंद्रित होने की प्रेरणा दी।

बैलेंसिंग दि क्लॉक एंड माईंड विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
नीलोखेड़ी/करनाल, 14 मई। विस्तार शिक्षा संस्थान, नीलोखेड़ी द्वारा गुरु ब्रह्मानंद राजकीय पॉलिटेक्निक, नीलोखेड़ी में बुधवार को बैलेंसिंग द क्लॉक एंड माईंड विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, प्रभावी संचार तथा सूचना साक्षरता जैसे आवश्यक विषयों पर जागरूक किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पॉलिटेक्निक की प्राचार्य बीनू बजाज एवं विस्तार शिक्षा संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सत्यकाम मलिक ने संयुक्त रूप से की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य मीनू बजाज ने कहा कि आज की प्रतिस्पर्धा भरी दुनिया में विद्यार्थियों के समक्ष समय की कमी और मानसिक दबाव एक बड़ी चुनौती बन चुके हैं। ऐसे में उन्हें यह समझना जरूरी है कि कैसे अपने समय का सही प्रबंधन करते हुए मानसिक रूप से संतुलित जीवन जिया जाए। उन्होंने कार्यशाला के आयोजन के लिए विस्तार शिक्षा संस्थान का धन्यवाद किया और इस तरह की पहल को समय की आवश्यकता बताया।

क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सत्यकाम मलिक ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में केवल शैक्षणिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को जीवन प्रबंधन, आत्म विकास, और डिजिटल साक्षरता जैसे कौशलों में भी दक्षता प्राप्त करनी चाहिए। फेक न्यूज जैसे खतरों को पहचानने और प्रभावी संवाद कौशल विकसित करने के लिए उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना अति आवश्यक है।

निगमायुक्त ने सातरोड टाउन पार्क में चल रहे कार्यों का निरीक्षण

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 14 मई। बुधवार को निगमायुक्त नीरज ने अधिकारियों के साथ विकास कार्यों का निरीक्षण किया। निगमायुक्त ने निरीक्षण के दौरान सबसे पहले सातरोड में पहुंचे।

अधिकारियों ने बताया कि सातरोड के तीन तालाब डाब, मैथन और रामसरा कार्य प्रगति पर है। निगमायुक्त ने अधिकारियों के साथ इन तीनों तालाबों का निरीक्षण किया और कार्य में तीव्रता लाकर तय समय सीमा में कार्य को पूरा करने के लिए आदेशित किया। इसके पश्चात निगमायुक्त नीरज ने अधिकारियों के साथ सातरोड़ में गलियों का निरीक्षण कर कार्यों को लेकर दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि सातरोड में अमृत योजना के तहत 32 किलोमीटर पेयजल की लाईन डाली जानी है। जिसमें से लगभग 20 किलोमीटर के कार्य पूर्ण हो चुके है। शेष कार्य के लिए निगमायुक्त नीरज ने जल्द से जल्द पूर्ण करने के आदेश दिए। इसके बाद निगमायुक्त नीरज अधिकारियों के साथ टाउन पार्क पहुंचे। उन्होंने टाउन पार्क में चल रहे नवीनीकरण के कार्यों का निरीक्षण किया। जिसमें से मेन गेट, ओडिटोरियम, झील में पत्थर लगाने का कार्य, बागवानी शाखा द्वारा घास लगाने का कार्य, पेड़ पौधो लगाने का कार्य लगभग 70 प्रतिशत हो चुका है। शेष कार्य जिसमें पार्क के पीछे के कार्य, शौचालयों का कार्य और पार्किंग आदि कार्यों को लेकर निगमायुक्त ने अधिकारियों, ठेकेदार व कसंल्टैन्सी एंजेसी को तय समय सीमा अवधि में कार्य को पूर्ण करने के लिए आदेशित किया। इस दौरान निगमायुक्त के साथ एक्सईएन संदीप सिहाग, पार्षद नरेश ग्रेवाल, एई सुमित कुमार, जेई अंकुर चौहान आदि मौजूद रहे।

रक्तदान महादान, रक्तदान करने से शरीर में एक नई ऊर्जा का होता है संचार : नेहा सिंह

उपायुक्त नेहा सिंह व कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने गीता ज्ञान संस्थानम् में किया रक्तदान शिविर का उदघाटन

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 14 मई। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि रक्तदान महादान है, रक्तदान करने से व्यक्ति के शरीर में एक नई ऊर्जा का संचार होता है तथा स्वास्थ्य भी ठीक रहता है, इसलिए हमें समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। हमारे द्वारा दिया गया रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति के काम आए इससे बड़ी कोई बात नहीं हो सकती है। उपायुक्त नेहा सिंह बुधवार को गीता ज्ञान संस्थानम् में श्रीकृष्ण कृपा परिवार व जीओ गीता युवा मंच के संयुक्त तत्वावधान में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के जन्मदिवस के उपलक्ष पर थैलिसिमिया पीड़ित बच्चों की सहायता के लिए आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में बोल रही थी। इससे पहले उपायुक्त नेहा सिंह, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने

विधिवत रूप से विशाल रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। इस शिविर में उपायुक्त तथा कुलपति ने रक्तदाताओं को बैच लगाकर सम्मानित किया और सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। इस शिविर में 101 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि रक्तदान करने वाले महान होते हैं जोकि दूसरों की जिंदगी को बचाने के लिए प्रयास करते हैं। ब्लड बैंक में हमेशा पर्याप्त मात्रा में रक्त उपलब्ध रहे तथा लोगों को जरूरत पडने. पर आसानी से रक्त मिल सके, इसके लिए हमें समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान के पश्चात 90 दिन के बाद लोगों के शरीर में फिर नया रक्त संग्रह हो जाता है। इसलिए लोगों को रक्तदान करने से कभी घबराना नहीं चाहिए और रक्तदान कर लोगों की जान बचानी चाहिये, क्योंकि रक्तदान से ही हम एक-दूसरे की मदद कर लोगों की जान बचा सकते हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि रक्तदान करना सबसे बड़ा पुन्य का कार्य है, इसे महादान भी कहा जाता है। इस महादान के लिए समाज के हर व्यक्ति को तत्पर रहना चाहिए। इस रक्तदान से किसी अनजान व्यक्ति की जान को बचाया जा सकता है। समाजसेवी विजय नरूला ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर युवा मंच की तरफ से राजेन्द्र कुमार, राजेन्द्र सिंगला, साहब, भारत भारद्वाज, अशोक अरोड़ा, चेयरमैन मदन मोहन छाबडा, समाजसेवी जितेन्द्र ढींगडा, मंगत राम जिंदल, पिंकी जिंदल, रमाकांत शर्मा, सुनील वत्स, धर्मपाल शर्मा, राजू, पवन भारद्वाज, दीपक आहुजा, अन्नु माल्यान आदि मौजूद थे।

श्री कृष्णा विद्या मंदिर का 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 14 मई। श्री कृष्णा विद्या मन्दिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल दयाल नगर के विद्यार्थियों का 12वीं कक्षा का घोषित परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। इससे विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों में खुशी की लहर है। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में उत्सव का माहौल रहा और बच्चे व अध्यापक एक-दूसरे को बधाई देते हुए नजर आए। प्रिंसीपल प्रतिभा पुरी ने बताया कि विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में शानदार अंक प्राप्त कर अपनी

प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अकाउंट्स विषय में प्रिशा ने सर्वाधिक 95 अंक प्राप्त किए, वहीं मनदीप, पारस और प्रिंसपाल ने 90-90 अंक हासिल किए। आर्यन, गगन, सुमित और विशाल ने भी सराहनीय प्रदर्शन करते हुए 85-85 अंक प्राप्त किए। स्कूल प्रबंधक मदन गोपाल ने बताया कि गोपिका, प्रिंसपाल व गुरविंदर ने पंजाबी में 93-93 अंक प्राप्त किए, जबकि कुंवर उप्पल और साहिलप्रीत ने 90-90 व गुरशान ने 85 अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया और अपनी भाषाई दक्षता का परिचय दिया। सुमित, विशाल, मनदीप, पारस और साहिलप्रीत ने अच्छे अंक प्राप्त किए। अंग्रेजी विषय में भी अधिकतम 94 अंक प्राप्त कर विद्यार्थियों का प्रदर्शन काबिले तारीफ रहा। इसके अतिरिक्त कशिश, साहिल और लवली ने भी शानदार अंक प्राप्त किए। इस शानदार प्रदर्शन पर प्रिंसिपल ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके कठिन परिश्रम की सराहना की।

भारतीय सेना के पराक्रम से पूरी दुनिया अचंभित हुई: सांसद धर्मबीर सिंह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में भारतीय सेना ने अपनी सूझबूझ से पाकिस्तान को दिया करारा जवाब: धर्मबीर सिंह

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 14 मई। भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा है कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल और सशक्त नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब दिया है। दुनिया भर के सभी देशों ने भारतीय सेना के पराक्रम का लोहा माना है। ऐसे में भारतीय सेना का जितना सम्मान और प्रशंसा की जाए, उतनी कम है। भारतीय सेना के सम्मान में देशभर में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रहीं हैं, जिनका मकसद सेना के शौर्य और पराक्रम की गाथा को जन-जन तक पहुंचाना है।

लोकसभा सांसद श्री धर्मबीर सिंह बुधवार को स्थानीय लोक निर्माण विश्रामगृह में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज भारत सहित दुनिया के लगभग

सभी देश चाहते हैं कि विश्व से आतंकवाद का सफाया हो। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी घटना के बाद पूरा देश चिंतित था, लेकिन प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपनी सूझबूझ से तीनों सेनाओं के प्रमुखों को आतंकवाद का करारा जवाब देने के लिए खुली छूट दी। परिणाम स्वरूप हमारी सेना ने सिंदूर ऑपरेशन के माध्यम से पाकिस्तान के अंदर जाकर नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया, ये आतंकवादियों के ट्रेनिंग सेंटर थे।

सांसद ने कहा कि भारतीय सेना ने मानवता का प्रमाण देकर केवल पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को ही निशाना बनाया। भारतीय सेना के इस जवाब से पाकिस्तान भी अचंभित हुआ। जबकि पाकिस्तान ने अपनी हवाई सेवाएं खुली रखी और वहां पर आमजन का आवागमन भी रहा। पाकिस्तान की कहीं ना कहीं यह मंशा रही कि भारत द्वारा भूल से ही सही, उनके आम नागरिक निशाना बन जाएं ताकि वे भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मंच पर बोल सकें। परंतु भारतीय सेना ने अपनी सूझबूझ से काम लिया और आतंकवादियों को नेस्तनाबूद किया।

उन्होंने कहा कि आज दुनिया के देशों ने यह मान लिया है कि भारतीय सेना बहुत ही ताकतवर और संगठित हैं। सुरक्षा की दृष्टि से हमारे पास नवीनतम तकनीक है। परिणाम स्वरूप पाकिस्तान द्वारा छोड़े गए ड्रोन को हमारी सेना ने जवाबी कार्रवाई से हवा में ही नष्ट किया और इससे किसी भी प्रकार से जान-माल की हानि नहीं हुई। इससे पाकिस्तान को भी एहसास हुआ कि भारत के साथ लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अपनी परमाणु शक्ति से भारत को डराने का भी प्रयास किया लेकिन प्रधानमंत्री श्री मोदी और भारतीय सेना पर उनकी इस बात का कतई भी प्रभाव नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि लंबी लड़ाई किसी भी देश के लिए सही नहीं होती लेकिन भारत ने पाकिस्तान सहित पूरे विश्व को यह संदेश दिया है कि भारत शांतिप्रिय देश है और आतंकवाद को बिल्कुल सहन नहीं करेगा। यदि भविष्य में पाकिस्तान आतंकवादी जैसी घटना को अंजाम देता है तो उसको हमारी सेना द्वारा मुहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

473 अंक लेकर एंजल विद्यालय में रही प्रथम

दीपांशी 460 अंक लेकर द्वितीय और ईशा व भानु 448 अंक लेकर रहे तृतीय

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 14 मई। नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने सी.बी.एस.ई. द्वारा घोषित दसवीं कक्षा के परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कक्षा दशम में 120 विषयवार मेरिट तथा सभी विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। 20 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर मेरिट में स्थान पाया, जबकि 35 विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत से अधिक, 40 विद्यार्थियों ने 70 प्रतिशत से अधिक एवं अन्य सभी विद्यार्थियों ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। एंजल ने 473 अंक लेकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया, दीपांशी ने 460 अंक लेकर द्वितीय एवं ईशा और भानु ने 448 अंक लेकर

तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इसके इलावा सना (444), तानिया (442), गीतू (440), बरनप्रीत (438), शिवम (437), वंशिका (434), सिमरप्रीत (425), जसमीत (415) टॉप टेन में शामिल रहे। प्रधानाचार्य व अध्यापकों ने सभी विद्यार्थियों को मिठाई खिलाई। विद्यालय प्रबंधक समिति के निदेशक बी. डी. गाबा एवं सभी अध्यापकों ने विद्यार्थियों व उनके परिवारों को बोर्ड परीक्षा उतीर्ण करने की हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रशासक विकास गाबा, प्रधानाचार्य डॉ देवेंद्र अरोड़ा, उप-प्राचार्या रिद्धिमा, मुख्याध्यापिका प्रीति मिश्रा, को आर्डिनेटर ऋतु चौधरी, अंजलि, कोमल, गीता, मधु स्नेह अध्यापक जसमेर, शक्ति प्रकाश , ईशांत मौजूद रहे।

12वीं बोर्ड परीक्षा में खरक कलां स्कूल की छात्राओं ने मारी बाजी, परीक्षा परिणाम रहा शानदार

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 14 मई। हाल ही में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी किए गए 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खरक कलां की छात्राओं ने बाजी मारते हुए शानदार प्रदर्शन किया। 110 छात्राओं ने बोर्ड की परीक्षा दी थी। जिनमें से 43 छात्राओं ने मेरिट तथा 98 छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए प्राचार्या डा. रीमा परमार ने बताया कि स्कूल का परीक्षा परिणाम 99.09 प्रतिशत रहा। उन्होंने बताया कि छात्रा टीना ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में प्रथम स्थान हासिल किया। तनु 91 प्रतिशत व निशा 90 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे व तीसरे स्थान पर रही। अर्थ शास्त्र में टीना ने, मनोविज्ञान में साक्षी,प्रिया व अंजली ने, राजनीति शास्त्र में सोहना ने तथा ब्यूटी एंड वेलनेस में निशा ने शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए। उन्होंने कहा कि यह सब अध्यापकों की कड़ी मेहनत व छात्राओं की लगन का परिणाम है। गांव के सरपंच, एसएमसी सदस्यों व स्टाफ सदस्यों ने भी छात्राओं को शुभकामनाएं दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

ऐतिहासिक दस्तावेजों और छायाचित्रों की प्रदर्शनी संपन्न

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 14 मई। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुशीला भवन, हिसार में क्षेत्रीय अभिलेखागार, हिसार मंडल द्वारा आयोजित दो दिवसीय ऐतिहासिक दस्तावेजों और छायाचित्रों की प्रदर्शनी का बुधवार को समापन हुआ।

इस प्रदर्शनी का उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के नायकों के योगदान को जन-जन तक पहुंचाना था। समापन अवसर पर विद्यालय इंचार्ज किरण ढिल्लो ने बताया कि प्रदर्शनी में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आम नागरिकों ने भाग लेकर ऐतिहासिक दस्तावेजों व दुर्लभ छायाचित्रों का अवलोकन किया। क्षेत्रीय अभिलेखागार हिसार मंडल के सहायक निदेशक अनिल कुमार ने बताया कि इस प्रकार की प्रदर्शनी से हरियाणा के स्वतंत्रता सेनानियों की वीर गाथाओं और उनके संघर्षों की अमूल्य झलक प्रस्तुत करती है। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और स्वतंत्रता संग्राम के नायकों के जीवन पर चर्चा कर उनके त्याग और बलिदान को आत्मसात किया। प्रदर्शनी ने सभी को इतिहास से जोड? का कार्य किया और देशभक्ति की भावना को प्रबल किया।

नवनियुक्त मंडलायुक्त अशोक गर्ग का स्वागत

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 14 मई। भगवान परशुराम जन सेवा समिति ने आज समिति के मुख्य संरक्षक एच.के.शर्मा. की अध्यक्षता में हिसार के नवनियुक्त मंडलायुक्त अशोक गर्ग का अभिनंदन किया तथा पुनः हिसार आगमन पर शुभकामनाएं दीं। समिति के संरक्षक मंडल ने गर्ग को कार्यभार संभालने पर बुक्का देकर सम्मानित किया। समिति के संस्थापक योगेन्द्र शर्मा ने बताया कि समिति सदस्यों ने नगर के विकास कार्यों को लेकर मंडलायुक्त अशोक गर्ग से चर्चा की। अशोक गर्ग ने इससे पहले भी हिसार में विभिन्न पदों पर रहकर हिसार वासियों को सेवा की है। लोग उनके कार्यकाल को आज भी याद करते हैं। एक बार फिर सरकार ने उन्हें हिसार वासियों की सेवा के लिये मंडलायुक्त पद पर नियुक्त किया है। इससे मंडल में आने वाले सभी जिला वासियों को भी उनकी सेवा का लाभ मिलेगा। अशोक गर्ग का अभिनंदन करने वालों में पूर्व पार्षद पंकज दिवान, पिंकी शर्मा, सुशील शर्मा के अलावा वी.एल.शर्मा. सुरेश शर्मा, बलवान शर्मा, राजेश भारद्वाज, जनक आदि भी शामिल रहे।

नगर निगम ने 34 बेसहारा पशुओं पकडकर भेजा गौ-अभ्यारण

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 14 मई। निगमायुक्त नीरज के आदेशानुसार व अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा के दिशा-निर्देश पर बेसहारा पशुओं को पकड? का अभियान की निरंतर जारी हैं। एएसआई संदीप कुमार ने बताया कि टीम के द्वारा बुधवार को मिलगेट, गुलाब सिंह चैक और सिटी थाना रोड के आस-पास के क्षेत्र से बेसहारा पशु पकड? का अभियान चलाया गया। इस दौरान टीम ने 34 बेसहारा पशुओं को पकडकर गौ-अभ्यारण में भेजा गया। बेसहारा पशु पकड? वाली टीम के साथ पुलिस विभाग की टीम भी मौजूद रही।

हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया भगवान श्रीकृष्ण ने

भगवान श्रीकृष्ण ने हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया और हर रिश्तों को उन्होंने महत्व दिया। आओ जानते हैं कि इस संबंध में कुछ खास जानकारी।

मित्रता का रिश्ता

भगवान श्रीकृष्ण के हजारों सखा या कहें कि मित्र थे। श्रीकृष्ण के सखा सुदामा, श्रीदामा, मधुमंगल, सुबाहु, सुबल, भद्र, सुभद्र, मणिभद्र, भोज, तोककृष्ण, वरूथप, मधुकंड, विशाल, रसाल, मकरन्द, सदानन्द, चन्द्रहास, बकुल, शारद, बुद्धिप्रकाश, अर्जुन आदि थे। श्रीकृष्ण की सखियां भी हजारों थीं। राधा, ललिता आदि सहित कृष्ण की 8 सखियां थीं।

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार सखियों के नाम इस तरह हैं- चन्द्रावली, श्यामा, शैव्या, पद्मा, राधा, ललिता, विशाखा तथा भद्रा। कुछ जगह ये नाम इस प्रकार हैं- चित्रा, सुदेवी, ललिता, विशाखा, चम्पकलता, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और सुदेवी। कुछ जगह पर ललिता, विशाखा, चम्पकलता, चित्रादेवी, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और कृत्रिमा (मनेली)। इनमें से

गईं सभी महिलाएं कृष्ण की सखियां थीं। द्रौपदी भी श्रीकृष्ण की सखी थीं। श्रीकृष्ण ने सभी के साथ अंत तक मित्रता का संबंध निभाया।

प्रेमी कृष्ण

कृष्ण को चाहने वाली अनेक गोपियां और प्रेमिकाएं थीं। कृष्ण-भक्त कवियों ने अपने काव्य में गोपी-कृष्ण की रासलीला को प्रमुख स्थान दिया है। पुराणों में गोपी-कृष्ण के प्रेम संबंधों को आध्यात्मिक और अति श्रृंगारिक रूप दिया गया है। महाभारत में यह आध्यात्मिक रूप नहीं मिलता, लेकिन पुराणों में मिलता है। उनकी प्रेमिका राधा, रुक्मिणी और ललिता की ज्यादा चर्चा होती है।

पति कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण की 8 पत्नियां थीं- रुक्मिणी, जाम्बवंती, सत्यभामा, मित्रवंदा, सत्या, लक्ष्मणा, भद्रा और कालिंदी। इनसे श्रीकृष्ण को लगभग 80 पुत्र हुए थे।

भाई कृष्ण

कृष्ण की 3 बहनें थीं- एकानंगा (यह यशोदा की पुत्री थीं), सुभद्रा और द्रौपदी (मानस भगिनी)। कृष्ण के भाइयों में नेमिनाथ, बलराम और गद थे।

श्रीकृष्ण के माता पिता

श्रीकृष्ण के माता पिता वसुदेव और देवकी थे, परंतु उनके पालक माता पिता नंदबाबा और माता यशोदा थीं। श्रीकृष्ण ने इन्हीं के साथ अपनी सभी सौतेली माता रोहिणी आदि सभी के सात बराबरी का रिश्ता रखा।

अन्य रिश्तों में श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण ने अपनी बुवाओं से भी खूब रिश्ता निभाया था। कुंती और सुतासुभा से भी रिश्ता निभाया। कुंती को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्रों की रक्षा करूंगा और सुतासुभा को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्र शिशुपाल के 100 अपराध क्षमा करूंगा। इसी प्रकार सुभद्रा का विवाह कृष्ण ने अपनी बुआ

पुत्र साम्ब का विवाह दुर्योधन की पुत्री लक्ष्मणा से किया था। श्रीकृष्ण के रिश्तों की बात करें तो वे बहुत ही उलझे हुए थे। श्रीकृष्ण ने अपने भांजे अभिमन्यु को शिक्षा दी थी और उन्होंने ही उसके पुत्र की गर्भ में रक्षा की थी।

शत्रुता का रिश्ता

इसी तरह श्रीकृष्ण ने अपनी शत्रुता का रिश्ता भी अच्छे से निभाया था। उन्होंने कंस, जरासंध, शिशुपाल, भौमासुर, कालयवन, पौंड्रक आदि सभी शत्रुओं को सुधरने के भरपूर मौका दिया और अंत में उनका वध कर दिया।

रक्षक कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण ने किशोरावस्था में ही चाणूर और मुष्टिक जैसे खतरनाक मल्लों का वध किया था, साथ ही उन्होंने इंद्र के प्रकोप के चलते जब वृंदावन आदि ब्रज क्षेत्र में जलप्रलय हो चली थी, तब गोवर्धन पर्वत अपनी अंगुली पर उठाकर सभी ग्रामवासियों की रक्षा की थी।

शिष्य कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनी थे। उनका आश्रम अवंतिका (उज्जैन) में था। कहते हैं कि उन्होंने जैन धर्म में 22वें तीर्थंकर नेमीनाथजी से भी ज्ञान ग्रहण किया था। श्रीकृष्ण गुरु दीक्षा में सांदीपनी के मृत पुत्र को यमराज से मुक्ति कराकर ले आए थे।

चंद्र की उत्पत्ति कैसे हुई? क्या कहते हैं पुराण? चंद्रमा की जन्म कथा

सुंदर सलोने चंद्रमा को देवताओं के समान ही पूजनीय माना गया है। चंद्रमा के जन्म की कहानी पुराणों में अलग-अलग मिलती है। ज्योतिष और वेदों में चंद्र को मन का कारक कहा गया है। वैदिक साहित्य में सोम का स्थान भी प्रमुख देवताओं में मिलता है। अग्नि, इंद्र, सूर्य आदि देवों के समान ही सोम की स्तुति के मंत्रों की भी रचना ऋषियों द्वारा की गई है।

पुराणों के अनुसार चंद्र की उत्पत्ति

मत्स्य एवं अग्नि पुराण के अनुसार जब ब्रह्मा जी ने सृष्टि रचने का विचार किया तो सबसे पहले अपने मानसिक संकल्प से मानस पुत्रों की रचना की। उनमें से एक मानस पुत्र ऋषि अत्रि का विवाह ऋषि कर्दम की कन्या अनुसुइया से हुआ जिससे दुर्वासा, दत्तात्रेय व सोम तीन पुत्र हुए। सोम चंद्र का ही एक नाम है। पद्म पुराण में चंद्र के जन्म का अन्य वृतांत दिया गया है। ब्रह्मा ने अपने मानस पुत्र अत्रि को सृष्टि का विस्तार करने की आज्ञा दी। महर्षि अत्रि ने अनुत्तर नाम का तप आरंभ किया। तप काल में एक दिन महर्षि के नेत्रों से जल की कुछ बूंदें टपक पड़ी जो बहुत प्रकाशमय थीं। दिशाओं ने स्त्री रूप में आकर पुत्र प्राप्ति की कामना से उन बूंदों को ग्रहण कर लिया जो उनके उदर में गर्भ रूप में स्थित हो गया। परंतु उस प्रकाशमान गर्भ को दिशाएं धारण न रख सकीं और त्याग दिया।

उस त्यागे हुए गर्भ को ब्रह्मा ने पुरुष रूप दिया जो चंद्रमा के नाम से प्रख्यात हुए। देवताओं, ऋषियों व गंधर्वों आदि ने उनकी स्तुति की। उनके ही तेज से पृथ्वी पर दिव्य औषधियां उत्पन्न हुईं। ब्रह्मा जी ने चंद्र को नक्षत्र, वनस्पतियों, ब्राह्मण व तप का स्वामी नियुक्त किया।

स्कंद पुराण के अनुसार जब देवों तथा दैत्यों ने क्षीर सागर का मंथन किया था तो उस में से चौदह रत्न निकले थे। चंद्रमा उन्हीं चौदह रत्नों में से एक है जिसे लोक कल्याण हेतु, उसी मंथन से प्राप्त कालकूट विष को पी जाने वाले भगवान शंकर ने अपने मस्तक पर धारण कर लिया। पर ग्रह के रूप में चंद्र की उपस्थिति मंथन से पूर्व भी सिद्ध होती है। स्कंद पुराण के ही माहेश्वर खंड में गर्गाचार्य ने समुद्र मंथन का मुहूर्त निकालते हुए देवों को कहा कि इस समय सभी ग्रह अनुकूल हैं। चंद्रमा से गुरु का शुभ योग है। तुम्हारे कार्य की सिद्धि के लिए चंद्र बल उत्तम है। यह गोमंत मुहूर्त तुम्हें विजय देने वाला है। अतः यह संभव है कि चंद्रमा के विभिन्न अंशों का जन्म विभिन्न कालों में हुआ हो। चंद्र का विवाह दक्ष प्रजापति की नक्षत्र रूपी 27 कन्याओं से हुआ जिनसे अनेक प्रतिभाशाली पुत्र हुए। इन्हीं 27 नक्षत्रों के भोग से एक चंद्र मास पूर्ण होता है।

इस मंदिर में मूर्तियों से निकलती हैं आवाजें

पत्थर की होती है, लेकिन जिस भी देवी या देवता की यह मूर्ति बनाई गई है उन देवी या देवताओं के अस्तित्व और उनकी शक्ति को नहीं नकारा जा सकता। आए दिन देवी या देवता अपने होने का अहसास कराते रहते हैं। इसी अहसास को चमत्कार कहा जाता है। ऐसा ही एक चमत्कार बिहार के बक्सर में स्थित देवी के एक मंदिर में देखने को मिला। यहां आकर आपको दुर्गा शक्ति के होने पर यकीन हो जाएगा क्योंकि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती है। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने करीब 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना की थी। तब से आज तक इस मंदिर में उन्हीं के परिवार के सदस्य पुजारी बनते रहे हैं। तंत्र साधना से ही यहां माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। दरअसल, तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध बिहार के इस इकलौते राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में यहां पर किसी के नहीं होने पर आवाजें सुनाई देती हैं। इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगड़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां

काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां साधना करने वाले हर साधकों की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। देर रात तक साधक इस मंदिर में साधना में लीन रहते हैं। मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी है। तांत्रिकों की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट

तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस

पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है। मानो या न मानो यह एक चमत्कार ही है कि यहां अजीब तरह के आवाजें आती है जो कि किसी मानव की आवाजों की तरह की है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं।

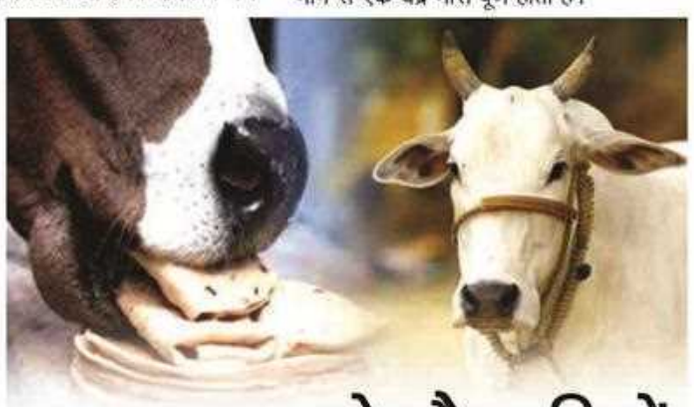

क्या गाय, कुत्ते और पक्षियों को पानी पिलाने से खुल जाते हैं किस्मत के दरवाजे

हिन्दू धर्म में कुछ पशु और पक्षियों को बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार इन्हें अन्न और जल देने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। प्रत्येक हिन्दू घर में जब भोजन बनता है तो पहली रोटी गाय के लिए और अंतिम रोटी कुत्ते के लिए होती है। भोजन करने के पूर्व अग्नि को उसका कुछ भाग अर्पित किया जाता है जिसे अग्निहोत्र कर्म कहते हैं। प्रत्येक हिन्दू को भोजन करते वक्त थाली में से 3 ग्रास (कोल) निकालकर अलग रखना होता है। यह तीन कोल ब्रह्मा, विष्णु और महेश के लिए या मन कथन के अनुसार गाय, कौए और कुत्ते के लिए भी रखा जा सकता है।

गाय - गाय को पत्ते पर भोजन परोसकर जल देने से भाग्य जागृत होता है। गाय में सकारात्मक ऊर्जा का भंडार होता है, जो भाग्य को जागृत करने की क्षमता रखती है। गाय को अन्न और जल देने से सभी तरह के संकट दूर होकर घर में सुख, शांति और समृद्धि के द्वारा खुल जाते हैं। प्रतिदिन गाय को रोटी खिलाने गुरु और शुक्र बलवान होता और धन-समृद्धि बढ़ती है।

कुत्ता - कुत्त को पत्ते पर भोजन परोसकर जल पिलाने से भैरव महाराज प्रसन्न होते है और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं। कुत्ता आपकी राहु, केतु के बुरे प्रभाव और यमदूत, भूत प्रेत आदि से रक्षा करता है। कुत्ते को प्रतिदिन भोजन देने से जहां दुश्मनों का भय मिट जाता है वहीं व्यक्ति निडर हो जाता है। ज्योतिषी के अनुसार केतु का प्रतीक है कुत्ता। कुत्ता पालने या कुत्ते की सेवा करने से केतु का अशुभ प्रभाव समाप्त हो जाता है। पितृ पक्ष में कुत्तों को मीठी रोटी खिलानी चाहिए।

कौवा- कौए के लिए छत या भूमि पर भोजन परोसकर सकोरे में उसके लिए जल रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कौआ को यमदूत, पितर और देवपुत्र भी माना गया है। कौए को भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पहले से ही आभास हो जाता है। कहते हैं कि यदि कौआ आपका भोजन ग्रहण कर ले तो समझो आपके पितर आपसे प्रसन्न और तृप्त हैं और यदि नहीं करें तो समझो कि आपके पितर आपसे नाराज और अतृप्त हैं।

चींटी - चींटियों के लिए पत्ते पर भोजन परोसा जाता। उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है। इससे सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और घर परिवार में सुख एवं समृद्धि आती है।

देवता - देवबलि अर्थात पत्ते पर देवी देवतों और पितरों को भोजन परोसा जाता है। बाद में इसे उठाकर घर से बाहर उचित स्थान रख दिया जाता है।

पक्षी - पक्षियों को जल अर्पित करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और साथ ही हमारे जीवन के संकट मिट जाते हैं। नियमित जल पिलाने से भाग्य जागृत हो जाते हैं और किसी कार्य में आ रही रुकावट दूर होती है। हर कार्य आसानी से होने लगते हैं।

कुंडली की जांचे पन्ना पहनने के नुकसान भी है

पन्ना बुध ग्रह का रत्न है। बुध ग्रह वाणी, व्यापार, बहन, बुआ, मौसी आदि का कारक है। यह रत्न गहरे से हल्के हरे रंग का होता है। पन्ना मुख्यतः 5 रंगों में पाया जाता है। तोते के पंख के समान रंग वाला, पानी के रंग जैसा, सरेस के पुष्प के रंगों वाला, मयूरपंख जैसा और हलके संदुल पुष्प के समान होता है। पन्ना रत्न किसे पहनना चाहिए और किसे नहीं यह जानना भी जरूरी है, क्योंकि कुंडली की जांच किए बगैर इसे पहनने के नुकसान भी है।

किसे पन्ना धारण करना चाहिए

- लग्न कन्या या मिथुन है तो पन्ना रत्न धारण किया जा सकता है, लेकिन यह भी देखना जरूरी है कि लग्न में कौनसा ग्रह है या लग्न के सामने सप्तम भाव में कौनसा ग्रह है।
- कुंडली को देखकर यदि किसी रोगी को पन्ना पहनाया जाता है तो उसके बल में वृद्धि होती है आरोग्य का सुख मिलता है।
- मिथुन लग्न वाले यदि पन्ना धारण करे तो पारिवारिक परेशानी कम होती है।
- कन्या लग्न यदि पन्ना धारण करे तो राज्य, व्यापार, पिता, नौकरी, शासकीय कार्यों में लाभ पा सकते हैं।
- यदि बुध की महादशा या अंतरदशा चल रही हो और बुध 8वें या 12वें भाव में नहीं हो तो पन्ना पहनने से लाभ मिलेगा।
- यदि बुध, मंगल, शनि, राहु या केतु के साथ स्थित हो या उस पर शत्रु ग्रहों की दृष्टि हो तो पन्ना पहना जा सकता है। इससे नौकरी व्यवसाय में रुकावट दूर होगी।
- लाल किताब अनुसार यदि किसी घर में कोई ग्रह सोया हुआ हो तो उस घर को और उस ग्रह के प्रभाव को जाग्रत करने के लिए उस घर का रत्न धारण करें। जैसे यदि तीसरे में बुध नहीं है तो तीसरे के लिए बुध का रत्न धारण करें। इससे बुध के अच्छे प्रभाव मिलना प्रारंभ होंगे।
- यदि आपकी कुंडली में बुध मीन राशि का होकर बुरा प्रभाव दे रहा है तो पन्ना पहन सकते हैं।

पन्ना किसे धारण नहीं करना चाहिए

- लाल किताब के अनुसार बुध तीसरे या 12वें हो तो पन्ना नहीं पहनना चाहिए इससे नुकसान होगा।
- ज्योतिष के अनुसार 6, 8, 12 का बुध स्वामी हो तो पन्ना पहनने से अचानक नुकसान हो सकता है। इसलिए पहले किसी ज्योतिष को कुंडली दिखाएं फिर ही पहनें।
- यदि बुध की महादशा चल रही है और बुध 8वें या 12वें भाव में बैठा है तो भी पन्ना धारण करने से समस्या उत्पन्न हो सकती है।
- नकली, अशुद्ध, टूटा-फूटा, धब्बेदार, चमकदार, स्वर्ण रंग का या अन्य रंग का पन्ना धारण करने से धन, समृद्धि और संतान पक्ष का नाश हो जाता है।
- उचित धातु, नक्षत्र, दिन और ग्रहों की स्थिति देखे बगैर पन्ना धारण किया है तो वह भी नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है।

पन्ना पहनने के फायदे

- पन्ना धारण करने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। इससे बुद्धि तेज होने लगती है।
- हाजमा अच्छा करने के लिए भी इसे धारण करते हैं।
- नौकरी और व्यापार में उन्नति के लिए भी इसे धारण करने की सलाह दी जाती है।
- पन्ना धारण करने से वाणी प्रभावशाली हो जाती है।
- पन्ना धारण करने से अधूरी तमन्नाएं पूरी होने लगती हैं।
- घर में पन्ना रत्न उचित स्थान पर रखने से अन्न-धन्न आदि में वृद्धि होती है, सुयोग्य संतान का सुख मिलता है।
- पन्ना पहनने से यदि बुद्ध उत्तम प्रभाव देने लगता है तो जातक की बहन की जिंदगी में भी परेशानियां कम हो जाती है।

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साई प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोनः01252-259260, 9255149495, ईमेलः haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिकाः- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।